● वर्ष-3

● अंक-135

रायपुर, रविवार
14 जनवरी 2024

● पृष्ठ-8

● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› दिग्गज शास्त्रीय गायिका प्रभा ....

प. बंगाल में साधुओं पर 'हमला'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में तीन साधुओं पर एक भीड़ द्वारा इस संदेह में हमला किए जाने का एक कथित वीडियो सामने आया है कि वे साधु के भेष में अपहरणकर्ता थे। इसको लेकर राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गयाऔर विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त होने का आरोप लगाया। इस बीच, टीएमसी ने भाजपा पर घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। वीडियो की प्रामाणिकता का 'पीटीआई-भाषा' की ओर से स्वतंत्र रूप से सत्यापन नहीं किया जा सका है। इस कथित वीडियो में गंगासागर मेले के लिए जा रहे साधुओं के साथ काशीपुर में लोगों के एक समूह द्वारा धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है। पुरुलिया पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह घटना गलतफहमी के कारण हुई।

उसने कहा, ''पुरुलिया में हाल की एक घटना के बारे में कुछ हलकों से तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। तथ्य यह है कि 11.01.24 की दोपहर को काशीपुर के पास तीन स्थानीय नाबालिग लड़कियों के साथ गंगासागर जाने वाले तीन साधुओं के बीच की दिक्कता के चलते गलतफहमी हो गई थी।'

नीतीश ने अपने बयान से अब संयोजक पद का पूरा मामला लालू की गोद में डाल दिया

नीतीश कुमार का संयोजक बनने से इंकार

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्होंने इंडिया ब्लॉक का संयोजक बनने से इनकार कर दिया, ने गठबंधन के कुछ सदस्यों द्वारा लालू यादव का नाम सुझाए जाने के बाद इस पद के लिए उनका प्रस्ताव रखा। सबसे पहले नीतीश कुमार को इस गुट का संयोजक बनने की पेशकश की गई थी, हालांकि, उन्होंने इस पद से इनकार कर दिया और कहा कि अगर ऐसा है तो लालू यादव को गठबंधन का संयोजक बना दें।

नीतीश कुमार ने अपने बयान से अब संयोजक पद का पूरा मामला लालू यादव की गोद में डाल दिया है। यानी कि अब गेंद लालू यादव के पाले में है। साथ ही साथ नीतीश कुमार को लेकर जो चर्चाएं पिछले कुछ दिनों से काफी चल रही थी कि वह एक बार फिर से पलटी मार सकते हैं, इसको फिर से हवा मिल गई है। अगर नीतीश कुमार संयोजक पद अपने पास रख लेते हैं तो इस पर विराम लग सकता था। लेकिन ऐसा फिलहाल नहीं हुआ। नीतीश ने इंडिया गठबंधन को भी बता दिया है कि वह संयोजक जैसे पद से शायद नहीं मानने वाले। उनकी पार्टी की ओर से बार-बार कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री पद के पदार्थ है। नीतीश को पता है कि लालू यादव के स्वास्थ्य अच्छा नहीं है। बावजूद इसके उनके पहले में गेंद डालकर कोई ना कोई नई राजनीति के तहत जदयू प्रमुख ने अपना कदम बढ़ाया है।

यह घटनाक्रम तब हुआ जब इंडि ब्लॉक के सदस्यों ने शनिवार को एक आभासी बैठक की, हालांकि, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव बैठक में शामिल नहीं हुए। बैठक के बारे में बोलते हुए, सीपीआई महासचिव डी राजा ने कहा कि यह एक अच्छी मुलाकात थी. बैठक में 12 में से 10 पार्टियां शामिल हुईं...ममता बनर्जी, अखिलेश यादव बैठक में शामिल नहीं हो सके. सीट बंटवारे पर चर्चा हुई. इंडि ब्लॉक के सभी घटकों को सीट-बंटवारे की बातचीत शुरू करने और उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

शरद पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बैठक के बाद कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में इंडिया अलायंस की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि हमारी चर्चा हुई कि हम सब जल्द से जल्द सीट शेयरिंग पर फैसला लेंगे। कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि गठबंधन का नेतृत्व मल्लिकार्जुन खड़गे को करना चाहिए और सभी इस पर सहमत हुए। हमने आने वाले दिनों की योजना बनाने के लिए एक समिति भी बनाई।

दोस्ती हो गई पक्की! दिल्ली में कांग्रेस प्रमुख खड़गे से मिले केजरीवाल, राहुल रहे मौजूद

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर हो रही चर्चा के बीच आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी मौजूद रहे। जानकारी के मुताबिक के दोनों ही नेताओं के बीच सीट बंटवारे को लेकर चर्चा हुई है। साथ ही साथ इंडिया गठबंधन में कैसे आगे बढ़ा जाए, इस पर भी बातचीत हुई है। इन नेताओं के अलावा इस मौके पर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे। फिलहाल इस मुलाकात को लेकर दोनों ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, दोनों ओर से कहा गया है कि हम इंडिया गठबंधन के मजबूत हिस्सा बने रहेंगे। इससे पहले सीट बंटवारे को लेकर अरविंद केजरीवाल की पार्टी और कांग्रेस के बीच दो दौर की बातचीत हो चुकी है। सूत्रों के हवाले से मिल रही खबर के मुताबिक दोनों दलों के बीच दिल्ली में सीट बंटवारे पर बात बन गई है। हालांकि, पंजाब को लेकर अभी भी पेंच फंसा हुआ है और शायद पंजाब में दोनों ही दल अलग-अलग होकर ही चुनाव लड़े। दिल्ली की बात करें तो यहां तीन और चार सीट पर बात बनी है। दिल्ली में लोकसभा सीटों की संख्या 7 है। लेकिन कौन सी पार्टी किस लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी, इस पर फैसला होना बाकी है।

2047 तक भारत बनेगा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था: विष्णुदेव

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आईसीएआई द्वारा आयोजित ''अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन फाइनेंशियल रिपोर्टिंग'' कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फाइनेंशियल रिपोर्टिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वित्तीय, गैर वित्तीय, औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की संस्थाओं तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले संस्थाओं को बधाई देते हुए कहा कि 2047 तक भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प को पूरा करने में सभी वित्तीय, गैर वित्तीय, उद्योग और सेवा प्रदाता कंपनियों की बड़ी भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और सभी के सहयोग से निश्चित ही हम अपने वित्तीय लक्ष्यों को तय समय में प्राप्त करने में सफल होंगे। श्री साय ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट की वित्तीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जितना बेहतर वित्तीय प्रबंधन होगा, वह संस्था उतनी ही गति से विकास करेगी। इसे समग्रता में देखें तो बेहतर वित्तीय प्रबंधन देश को भी आर्थिक रूप से मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी आने के बाद चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका बढ़ी है और उनकी दक्षता का लाभ कंपनियों को मिल रहा है, जिससे वित्तीय प्रबंधन करना भी आसान हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि इस प्रकार के पारितोषिक वितरण समारोह के आयोजन से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना आती है और लोग अपने काम को और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित भी होते हैं। उन्होंने आईसीएआई छत्तीसगढ़ को इस आयोजन के लिए साधुवाद दिया। इस अवसर पर आईसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिकेत तलाटी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत अग्रवाल, रायपुर शहर अध्यक्ष श्री रवि ग्वालानी, श्री अनुज गोयल, श्री देवाशीष मित्रा सहित बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट उपस्थित थे।

प्रमुख समाचार

केजरीवाल को ईडी के चौथे समन पर बोली भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जांच एजेंसी ईडी द्वारा चौथा समन भेजे जाने जाने के बाद उन पर बड़ा हमला बोलते हुए भाजपा ने आरोप लगाया है कि वह हर बार जांच से भागने के लिए बहाना बनाते हैं। भाजपा ने यह भी कहा है कि हर बार जांच से भाग कर केजरीवाल ईडी को कानूनी कार्रवाई करने का न्योता दे रहे हैं ताकि जांच एजेंसी उनके दरवाजे तक पहुंचे और वो विक्टिम कार्ड खेल सकें।

भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल हर बार जांच से भागने के लिए बहाना ढूंढते है, जांच से बचने का रास्ता ढूंढते हैं और अब ईडी का चौथा समन आने के बाद उन्होंने कहा है कि वे गोवा के दौरे पर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल राजनीतिक पर्यटन करेंगे लेकिन जांच से भागेंगे, यह अफसोसजनक है।

सचदेवा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल जांच एजेंसी से इसलिए भाग रहे हैं क्योंकि उन्हें मालूम है कि उन्होंने शराब घोटाला किया है, चोरी की है और इसलिए उन्हें जांच एजेंसी के सवालों का जवाब देने से डर लगता है। लेकिन वह कब तक भागेंगे और अगर चौथे समन के बाद भी केजरीवाल जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं होते तो वे स्वयं ईडी को आगे की कानूनी कार्रवाई करने का न्योता दे रहे हैं।

हिट एंड रन में मुआवजा बढ़ाने पर विचार करे केंद्र- सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र को हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं के पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजे को बढ़ाने के लिए मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन करने पर विचार करने का निर्देश दिया, साथ ही सरकार को याद दिलाया कि समय के साथ पैसे का मूल्य कम हो जाता है। मोटर वाहन अधिनियम पीड़ितों को हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं के दौरान मृत्यु के मामले में ?2 लाख और चोटों के लिए ?50,000 का मुआवजा देने की अनुमति देता है। न्यायाधीश एएस ओक की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हम केंद्र सरकार को इस पर विचार करने का निर्देश देते हैं कि क्या मुआवजे की राशि को धीरे-धीरे सालाना बढ़ाया जा सकता है। केंद्र सरकार आज से आठ सप्ताह के भीतर इस मुद्दे पर उचित निर्णय लेगी। अदालत ने कहा कि हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं के बाद बहुत कम लोग मुआवजे का दावा करते हैं। कई लोगों को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 161 के तहत ऐसी मुआवजा योजना के अस्तित्व के बारे में भी नहीं पता है। अकेले 2022 में देश भर में कुल 67,387 हिट-एंड-रन हुए। अदालत ने न्याय मित्र, अधिवक्ता गौरव अग्रवाल द्वारा संकलित आंकड़ों से बताया कि योजना के तहत केवल 205 मुआवजे के दावे प्राप्त हुए, जिनमें से 95 दावों का निपटारा किया गया।

भारत जोड़ो यात्रा चुनावी नहीं, एक वैचारिक है -कांग्रेस

नई दिल्ली। कन्याकुमारी से कश्मीर तक सफल भारत जोड़ो यात्रा के बाद, कांग्रेस मणिपुर के थौबल जिले से पूर्व से पश्चिम भारत जोड़ो न्याय यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे और इस कार्यक्रम में पार्टी के शीर्ष नेता मौजूद रहेंगे। यात्रा 15 राज्यों के 110 जिलों, 100 लोकसभा सीटों, 337 विधानसभा क्षेत्रों से होकर 67 दिनों में 6,713 किमी की यात्रा करेगी, ज्यादातर बसों में और पैदल भी। यात्रा का समापन 20 और 21 मार्च को मुंबई में होगा। इसको लेकर जानकारी देते हुए कांग्रेस के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा कल यानी 14 जनवरी को मणिपुर के थौबल से शुरू होने जा रही है। राहुल गांधी कल सुबह 11 बजे इंफाल आएंगे और सबसे पहले खोंगजोम वॉर मेमोरियल जाएंगे। इस युद्ध स्मारक का महत्व सिर्फ मणिपुर के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए है। उन्होंने यह भी कहा कि यह एक राजनीतिक दल द्वारा एक यात्रा है... हम राजनीतिक उद्देश्यों के लिए यात्रा निकालते हैं और हमारा उद्देश्य संविधान की रक्षा करना है... यह एक वैचारिक यात्रा है, चुनावी नहीं।

मोदी की प्रेरणा से बना खेलों का माहौल : योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से खेलो इंडिया, फिट इंडिया और सांसद खेल महाकुंभ के आयोजनों से देश में खेलों का बेहतरीन माहौल बना है जिसे शानदार बनाने के लिए उत्तर प्रदेश गांव-गांव में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रही है। खिलाडियों को सभी संसाधन और सुविधा देने के साथ खेल की उनकी उपलब्धियों को भारी पुरस्कार राशि और सरकारी नौकरियों से जोड़ रही है। जंगल कौडिया स्थित महंत अवेद्यनाथ स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल एवं लोक कला महाकुंभ के समापन समारोह को संबोधित करते हुये योगी ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश में करीब सात साल पहले तक खेल इंफ्रास्ट्रक्चर की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। पर, आज हर गांव में खेल के मैदान व ओपन जिम बन रहे हैं। हर गांव में खेलों को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो रही है। गांवों में 80 हजार युवक मंगल दलों व महिला मंगल दलों को स्पोर्ट्स किट वितरित किए जा चुके हैं। गांवों में पंचायत सचिवालयों को ऑप्टिकल फाइबर से जोडक़र युवाओं को सभी सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो बातें कल्पना से दूर थीं आज वह हकीकत हैं।

कांग्रेस को राम नहीं, बाबर से प्यार- हिमंत बिस्वा सरमा

नई दिल्ली। कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर राजनीति जारी है। भाजपा जमकर कांग्रेस पर हमलावर है। इन सब के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने वार करते हुए कहा कि वे बाबर से प्यार करते हैं, भगवान राम से नहीं। इसलिए उन्हें आमंत्रित करने का निर्णय गलत था और केवल भगवान राम में आस्था रखने वालों को ही आमंत्रित किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भगवान राम और बाबर के बीच गांधी परिवार सबसे पहले बाबर को दंडवत प्रणाम करेगा। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा और इंडिया ब्लॉक बैठक पर असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हमने (भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए) सभी आवश्यक अनुमतियां दे दी हैं, कोई समस्या नहीं है। हमें (भारत बैठक से) कोई दिक्कत नहीं है कि वे सीटों का बंटवारा करें या नहीं। हम चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए अपने नेताओं को मौसमी हिंदू करार दिया।

समारोह में ट्रस्ट की ओर से देशभर से 11,000 से अधिक मेहमानों को आमंत्रित किया गया

अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा में आने वाले विशिष्ट मेहमानों को उपहार में मिलेगी रामरज

अयोध्या । अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। 22 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से हजारों वीआईपी गेस्ट्स को इनवाइट किया गया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी आमंत्रित अतिथियों के स्वागत की भी तैयारी की गई है और समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी मेहमानों को ट्रस्ट की ओर से उपहार भी दिए जाएंगे।

तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से सभी मेहमानों को 'रामरज' उपहार स्वरूप दी जाएगी। साथ ही उन्हें प्रसाद के रूप में देसी घी से बने विशेष मोतीचूर के लड्डू भी दिए जाएंगे। ट्रस्ट की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने वाले मेहमानों को मंदिर की बुनियाद की खुदाई में निकाली गई मिट्टी (रामरज) भेंट की जाएगी। जानकारी के अनुसार राम मंदिर नींव की खुदाई के दौरान निकाली गई राम जन्मभूमि की मिट्टी को बक्सों में पैक किया जाएगा और 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने वाले मेहमानों को भेंट किया जाएगा। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े एक सदस्य ने बताया कि कार्यक्रम के लिए यहां आने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जूट के थैले में पैक की गई राम मंदिर की 15 मीटर की तस्वीर भेंट की जाएगी। ट्रस्ट के सदस्य ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में ट्रस्ट की ओर से देशभर से 11,000 से अधिक मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। इन सभी लोगों को यादगार उपहार देने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि रामरज एक ऐसा उपहार होगा, जिसे मेहमान हमेशा याद रखेंगे। किसी घर में इस रामरज का होना सौभाग्य की बात है। इस पवित्र उपहार का उपयोग वो अपने घर के गार्डेन या गमलों में कर सकेंगे। ऐसी भी संभावना है कि ऐसे आमंत्रित लोग जो किसी कारणवश प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में यहां नहीं आ सके हैं, वो जब भी यहां आएंगे उन्हें यह उपहार दिया जाएगा। अयोध्या के मंडलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में 7,500 लोगों को मंदिर प्रागण में बिठाने की व्यवस्था की गई है। जो भी विशिष्ट मेहमान अयोध्या आएगा, उसे रिसीव करने के साथ ही एक कोड दिया जाएगा। इस कोड के आधार पर उनके बैठने की व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने बताया कि वाराणसी के पुजारी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को संपन्न कराएंगे। उनके साथ 4 ट्रस्टी और 4 पुजारी भी रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान मंदिर में बने पांच मंडपों में अलग-अलग सोशल कम्युनिटी के 15 दंपत्ति भी उपस्थित रहेंगे। प्रांगण में ही पीएमओ भी स्थापित किया जाएगा, जबकि, पीएम मोदी की स्पीच के लिए भी एक स्थान को चिन्हित किया गया है। इसके अतिरिक्त, परकोटा ईस्ट में धार्मिक संगीत का भी आयोजन होगा। मंडलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि पीएम मोदी अयोध्या के श्रीरामजन्म भूमि परिसर में स्थित कुबेर नवरत्न टीला पर भी जाएंगे, जहां वो पक्षी राज जटायु की मूर्ति का भी अनावरण करेंगे। यह मूर्ति कांस्य की है।

कामकोटि मठ के शंकराचाय ने किया प्राण प्रतिष्ठा समारोह का समर्थन

कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल जोकि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए अयोध्या नहीं जा रहे हैं। उनका कहना है कि चूंकि यह आयोजन शास्त्र सम्मत तरीके से और शंकराचार्यों की सलाह लेकर नहीं हो रहा है इसलिए यह धार्मिक आयोजन नहीं है। यहां हम कांग्रेस को बताना चाहेंगे कि प्राण प्रतिष्ठा संबंधी पूजन पूर्णत: शास्त्र सम्मत और मर्यादित तरीके से संपन्न किया जायेगा और शंकराचार्यों ने भी कार्यक्रम की सफलता की कामना की है। चार में से अब तक तीन शंकराचार्यों के इस संदर्भ में बयान सामने आ चुके हैं जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का किसी तरह का विरोध नहीं किया है। हम आपको बता दें कि श्रृंगेरी शारदा पीठ के शंकराचार्य अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु भारती तीर्थ और शंकराचार्य मठ द्वारकाशारदा पीठ गुजरात के जगद्गुरु शंकराचार्य पहले ही सभी प्रकार की अफवाहों का खंडन कर चुके थे और अब कांची कामकोटि मठ के शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती स्वामीगल ने भी कह दिया है कि भगवान राम की कृपा से अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि में 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन का कार्यक्रम होना है। इस कार्यक्रम में यज्ञशाला का पूजन भी होगा। उन्होंने कहा कि 100 से अधिक विद्वान लोगों द्वारा यज्ञशाला पूजन और हवन का कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेषकर भारत के तीर्थ स्थानों के विकास करने में श्रद्धा रखते हैं। उन्होंने केदारनाथ और काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रांगण का विस्तार भी किया है।

कोरबा में भाजपाइयों ने गुमशुदा सांसद की तलाश का लगाया पोस्टर

निगम के नेता प्रतिपक्ष नेता हितानंद ने जारी किया पोस्टर

कोरबा। लोकसभा चुनाव के पहले सियासी पारा अब गरमाने लगा है। कुछ ही महीनों में आम चुनाव होने वाले हैं। जिसे देखते हुए राजनीतिक दल सक्रिय हैं। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 सीटों में एक सीट कोरबा है। जहां से छत्तीसगढ़ विधानसभा के विधानसभा अध्यक्ष रहे और वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत की पत्नी ज्योत्सना महंत सांसद हैं। भाजपाइयों ने पूरे शहर में सांसद के गुमशुदा होने का पोस्टर चस्पा किया है। सोशल मीडिया में इसकी जमकर चर्चा है। भाजपाइयों ने पोस्ट में लिखा है कि जनता सांसद को सालों से तलाश रही है। उन्हें किसी ने देखा भी नहीं है, इस पर कांग्रेसियों ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि भाजपाइयों को दृष्टिदोष हो गया है।

नगर पालिक निगम कोरबा के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने ये पोस्टर जारी किया है। पोस्टर जारी कर उन्होंने कहा कोरबा लोकसभा क्षेत्र की जनता अपने द्वारा चुने गए कांग्रेस की सांसद को पिछले 5 साल से ढूंढ रही है। वह ना तो शहर में कहीं दिखती है। ना अपने कार्यालय में और ना ही अपने आवास में ही दिखाई देती हैं। सांसद को जनता ने 5 साल से देखा नहीं है। लोकसभा क्षेत्र में किसी भी तरह का कोई विकास कार्य पिछले 5 साल से नहीं हुआ है। ना ही सांसद ने इसके लिए कोई ठोस पहल की है। कोरबा के साथ कोरिया, मरवाही, बैकुंठपुर, चिरमिरी, सोनहत, पाली सहित पूरे क्षेत्र की जनता अपने सांसद को खोज रही है। आने वाले लोकसभा चुनाव में जनता अपनी लापता सांसद को हटाकर भाजपा का कमल खिलाएगी।

भाजपाई दृष्टिदोष के शिकार

भाजपा के पोस्ट पर सांसद ज्योत्सना महंत की करीबी कांग्रेस नेता उषा तिवारी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने हितानंद अग्रवाल पर ठेकेदारी चमकाने का आरोप लगाया है और कहा है कि विधानसभा चुनाव के समय वह अपनी पार्टी के प्रत्याशी को छोड़ दूसरे के क्षेत्र में सक्रिय थे। अब भाजपा के जीतने के बाद दिखावे का ढोंग कर रहे हैं।

नेताओं के बीच शुरू हुई जुबानी जंग

लोकसभा चुनाव का बिगुल अभी नहीं बजा है। आचार संहिता की तिथि लागू नहीं हुई है। संभवतः इस वर्ष के मई में लोकसभा चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 सीट हैं। चुनावी वर्ष में नेताओं के बीच जुबानी जंग छिड़ी चुकी है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा की पहल पर लौटे युवक

रोजगार दिलाने के नाम पर कर्नाटक ले जाकर कटवाते थे गन्ना

कबीरधाम। डिप्टी सीएम एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों और उनके सार्थक पहल से कबीरधाम जिले दो ग्रामीण श्रमिक युवक शशिकांत यादव और गंगाप्रसाद परस्ते को जिला प्रशासन की टीम ने कर्नाटक के धारवाड़ से सुरक्षित वापस लाई है। ये दोनों ग्रामीण युवक के माता-पिता तथा उनके परिजनों ने अपने बेटे की गांव वापसी के लिए डिप्टी सीएम एवं कवर्धा विधायक से मदद मांगी थी। उपमुख्यमंत्री ने पूरी संवेदनशीलता से मामले को संज्ञान में लिया था और कबीरधाम जिले के इन दोनों श्रमिकों की सकुशल वापसी के लिए कलेक्टर जनमेजय महोबे से चर्चा कर कर्नाटक टीम भेजने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश पर इन दोनों श्रमिकों के लोकेशन की जानकारी लेने के लिए जिला साइबर सेल की मदद ली। श्रमिकों के ठहरने की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन द्वारा प्रशासनिक, श्रम विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर कर्नाटक के लिए रवाना हुए।

कलेक्टर महोबे ने बताया कि कबीरधाम जिले के शशिकांत यादव पिता महापति यादव और गंगाप्रसाद परस्ते पिता मातवर परस्ते निवासी ग्राम बांकी ग्राम पंचायत केसमर्दा थाना तरेगांव विकासखण्ड बोड़ला के रहने वाले है। ये दोनों श्रमिक माता-पिता और उनके अभिभावकों ने बताया था कि ये दोनों कर्नाटक कमाने खाने गए थे। वहां पर वे किसी कम्पनी में गन्ना कटाई का काम करते थे। उनको वहां से कहीं भी आने -जाने नहीं दिया जा रहा था।श्रम पदाधिकारी कवर्धा एवं धारवाड़ कर्नाटक राज्य के प्रशासन एवं श्रम विभाग के साथ सामंजस्य स्थापित कर तत्काल उक्त दोनों श्रमिकों को मुक्त करवाने के लिए टीम गठित की गई।

कबीरधाम जिले से गठित टीम को आठ जनवरी को कवर्धा से कर्नाटक के लिए रवाना किया गया था। दोनों श्रमिकों को 12 जनवरी को देर रात कवर्धा लाया गया। कबीरधाम लौटने पर श्रमिकों ने बताया कि गांव के एक युवक ने इन दोनों को अच्छा काम दिलाने का ख्वाब देकर नागपुर के गए और वहां से धोखे से कर्नाटक ले गए, कर्नाटक के धारवाड़ में गन्ना कटाई का काम कराते थे। खेतों में बने झोपड़ी में ठहराया और मजदूरी भी कम मिलती थी।

एजेंटों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश

इधर, कलेक्टर महोबे ने ग्रामीण युवकों को अच्छे काम दिलाने के बहाने, बहला-फुसलाकर बाहर ले जाने वाले एजेंटों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। श्रमिक को उनकी पारिश्रमिक 32 हजार रुपए नगद भुगतान भी कराया गया। दोनों श्रमिकों को उनके अभिभावक को सौंप दिया गया।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में नक्सलगढ़ बीजापुर की बेटियां दिखाएंगी जलवा

बीजापुर। 6वीं खेलो इंडिया गेम्स 2023 का आयोजन 19 जनवरी 2024 से 31 जनवरी 2024 तक तमिलनाडु में किया जायेगा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी की खिलाड़ियों का सलेक्शन छत्तीसगढ़ महिला फुटबॉल टीम के लिए हुआ है। बीएसए की फुटबॉल खिलाड़ी जानकी कोरसा, बिन्दु तेलम और ज्योति कुड़ियम छत्तीसगढ़ महिला फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

साल 2023 में गुवाहाटी असम में आयोजित हिरो जूनियर गर्ल्स फुटबॉल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ महिला टीम में बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी की ज्योति यादव ने फुटबाल नेशनल कोच के नेतृत्व में क्वॉटर फाइनल तक का सफर किया था। इस जूनियर गर्ल्स चैम्पियनशिप में बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी की 4 खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। जूनियर गर्ल्स चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ महिला फुटबॉल टीम ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में क्वॉलीफायी किया है। छत्तीसगढ़ की टीम 17 जनवरी 2024 को रायपुर से तमिलनाडु के लिए रवाना होगी।

बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी के फुटबॉल खिलाड़ियों ने इससे पहले भी खेलो इंडिया जनजातिय नेशनल चैम्पियनशिप (भुवनेश्वर, उड़ीसा) में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए झारखंड को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया।

सीएम विष्णुदेव साय ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। साय ने बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी के फुटबाल खिलाड़ियों के प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि खेलों इंडिया में जानकी कोरसा, बिन्दु तेलम और ज्योति कुड़ियम का चयन होना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। केंद्रीय खेल एवं सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी के फुटबॉल खिलाड़ियों की प्रतिभा की प्रशंसा की। अतिसंवेदनशील क्षेत्र के खिलाड़ियों की प्रतिभा को सामने लाने जिला प्रशासन की तरफ से बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी संचालित की जा रही है। जहां खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

नक्सलियों ने केंद्र सरकार से की सड़क निर्माण की अपील

नक्सली संगठन के पहली बार बदले सुर

बीजापुर। नक्सलियों के पश्चिम बस्तर डिविजन ने छह मांगों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार को कहा है। जिसमें केंद्र सरकार के हिट एंड रन कानून को वापस लेने की मांग की गई है।इसके साथ ही सड़कों के निर्माण में भ्रष्टाचार, सड़क निर्माण में हो रही खामियों को सुधारने, खराब सड़कों की मरम्मत तुरंत करने, ट्रक ड्राइवरों और उनके परिवारों की बेहतर सुरक्षित जिंदगी के लिए उचित कदम उठाने की अपील की है।

इसके अलावा नक्सली संगठन ने ट्रक ड्राइवर के आंदोलन के समर्थन में सभी वर्ग की जनता से आवाज उठाने और कारपोरेट घरानों के सेवक, जन विरोधी फांसीवादी नीति का विरोध किया गया है।नक्सलियों ने ड्राइवरों की मांग पूरी होने तक आम जनता से समर्थन करने की अपील भी की है।आपको बता दें कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि नक्सली केंद्र सरकार से सड़क के मरम्मत के लिए अपील कर रहे हैं।

आपको बता दें कि हिट एंड रन से जुड़े नए कानून के विरोध में वाहन चालकों की ओर से किए जा रहे हड़ताल के ऐलान के बाद जिला प्रशासन के अधिकारियों ने ड्राइवर्स की मीटिंग ली। जिसके बाद वाहन चालक संघ ने हड़ताल को समाप्त करने का निर्णय लिया था। 11 जनवरी से ट्रक ड्राइवर्स अपने कार्य पर वापस लौट चुके हैं। आपको बता दें कि हड़ताल के कारण धान खरीदी, स्कूल बस समेत जरूरी काम काज प्रभावित हो रहे थे। वहीं अब नक्सली संगठन ने ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल का समर्थन करने के साथ केंद्र सरकार से जर्जर सड़कों को दुरुस्त करने की अपील की है।

एमसीबी में धान खरीदी केंद्र में बड़ी गड़बड़ी

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। छत्तीसगढ़ में 1 नवंबर से धान खरीदी चल रही है जो 31 जनवरी तक चलेगी। अब तक प्रदेश में 103.63 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। जिसमें से 63.157 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है। किसानों को धान खरीदी के एवज में 22,468 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। सुचारू रूप से धान खरीदी के लिए बीच बीच में प्रशासन के अधिकारी खरीदी केंद्रों में जांच भी कर रहे हैं। इस दौरान कई धान खरीदी केंद्रों में घालमेल की शिकायत मिल रही है। ऐसा ही कुछ मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में भी हुआ।

भरतपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाल ग्राम पंचायत रापा के धान खरीदी केंद्र में तहसीलदार मनहरण सिंह राठिया और खाद्य अधिकारी संजय ठाकुर पहुंचे। वहां रखा धान बोरियों में रखे धान का तौल किया गया तो 2381 बोरी में 952 क्विंटल धान कम मिला जबकि प्रबंधन ने रजिस्टर में कुछ और ही जानकारी लिखी हुई थी। जिसके बाद अधिकारियों ने वहां मौजूद किसानों से बात की और रिपोर्ट तैयार की।

खाद्य अधिकारी संजय ठाकुर ने कहा रापा के धान खरीदी केंद्र में जांच की गई। इस दौरान 2381 बोरी में 952 क्विंटल धान की कमी आई है। कोटाडोल खरीदी केंद्र में जांच चल रही है। प्रभारी की मिलीभगत सामने आ रही है।

खाद्य अधिकारी संजय ठाकुर ने बताया कि रापा धान खरीदी केंद्र में हो रही धोखाधड़ी की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों और कलेक्टर को दी जा रही है। कोटाडाल खरीदी केंद्र में भी जांच की गई है। जिसकी रिपोर्ट भी जल्द आ जाएगी।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

चार करोड़ से ज्यादा रुपये का सोना बरामद, पांच गिरफ्तार

महासमुन्द। महासमुंद में सोने की तस्करी रोकने के लिए पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सोने की तस्करी करते हुए पांच लोगों को हिरासत में लिया है। तस्करों के पास से पुलिस ने सात किलो से ज्यादा सोना बरामद किया है। बरामद सोने की कीमत चार करोड़ 76 लाख 86 हजार 400 रुपये बताई जा रही है। आरोपी तस्करों के पास से दो लग्जरी कार और पांच मोबाइल भी पुलिस ने बरामद किया है। एनएच-53 में रेहटीखोल चेकपोस्ट के पास तस्कर पकड़े गये हैं, खड़कपुर से महाराष्ट्र सोना लेकर जा रहे थे तभी पुलिस ने तस्करों को गिरफ्तार किया है। पांचों तस्कर के खिलाफ धारा 102 के तहत कार्रवाई की गई है। साइबर सेल और सिंघोडा पुलिस ने ये संयुक्त कार्रवाई की है। भारत सरकार की जांच एजेंसी डीआरआई को आगे की कार्रवाई के लिए मामला सौंपा जाएगा।

मोदी बस्तर संभाग में एफएम केंद्रों का वर्चुअल करेंगे उद्घाटन

जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जनवरी को बस्तर संभाग के जिला मुख्यालय जगदलपुर और नारायणपुर में दो उच्च क्षमता के एफएम केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इनके प्रारम्भ होने से अबुझमाड़ सहित बस्तर के उन आदिवासी व नक्सल प्रभावित इलाकों के निवासियों को मनोरंजन और राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय जानकारी मिल सकेगी। बस्तर के अंदरूनी इलाकों में बिजली और नेटवर्क की सुविधाएं आदिवासियों को नहीं मिल पाती है, इस कारण लोग नक्सलियों की चेतना नाट्य मंडली के कार्यक्रम देखने को मजबूर रहते हैं। इस व्यवस्था से उन्हें सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जोडने् में मदद मिलेगी। इस संबंध में आकाशवाणी जगदलपुर के केंद्र निदेशक बलवीर सिंह कच्छ ने बताया कि पूर्व में जगदलपुर आकाशवाणी केंद्र से ही 100 वाट की क्षमता वाले ट्रांसमीटर से विविध भारती के एफएम रेडिओ का संचालन किया जाता था। अब इसकी क्षमता बढ़ाकर 10 किलोवॉट की जा रही है इससे 150 किमी की दूरी तक एफएम के कार्यक्रम सुने जा सकेंगे।

आईटीबीपी ने युवाओं को भारत भ्रमण के लिए किया रवाना

कोंडागांव। नक्सल प्रभावित क्षेत्र से युवाओं को 15वें आदिवासी युवा विनिमय कार्यक्रम के तहत 29वीं वाहिनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल ने 30 युवाओं (जिसमें 20 युवक एवं 10 युवती) को बस के माध्यम से दुर्ग प्रस्थान करवाया गया जहां से भारत भ्रमण के लिए गुरुग्राम-हरियाणा रवाना किया जायेगा। 29वीं वाहिनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल, कोण्डागांव द्वारा बच्चों को अवगत कराया गया कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल इस क्षेत्र में आप सभी युवाओं एवं आम जनता की सुरक्षा के लिए तैनात है एवं स्थानीय युवाओं को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए समय-समय पर खेलकूद एवं अन्य कार्यकम का आयोजन करती रहती है।

धमतरी में टायर गोदाम में लगी भीषण आग

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में भीषण आग लगने की घटना हुई है। आग टायर गोदाम में लग गई जिसके बाद अफरातफरी मच गई। आग इतनी भयावह थी कि दूर दूर तक आग की लपटें और धुआं दिखाई दे रहा था। रुद्री थाना इलाके के कसावाही गांव में टायर गोदाम है। शनिवार सुबह गोदाम में आग की लपटें उठने लगी और काफी धुआं निकलने लगा। बताया जा रहा है कि टायर गोदाम में भारी मात्रा में पुराना टायर रखा हुआ था साथ ही काफी मात्रा में ऑयल भी रखा हुआ था। जिसमें आग लग गई। आग लगने की जानकारी लगते ही धमतरी और बालोद से फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने के लिए निकल पड़ी।आग इतनी भयावह थी कि किई किलोमीटर दूर तक आग की लपटें दिखाई दे रही थी। धमतरी फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ी और बालोद की 1 गाड़ी सुबह 10 बजे तक 10 राउंड लगा चुकी है। हजारों लीटर पानी आग बुझाने में लग चुका है। आग बुझाने की कोशिश जारी है। आग कैसे लगी फिलहाल इसका कारण पता नहीं चल पाया है। रुद्री पुलिस भी मौके पर पहुंची हुई है।

पेंड्रा में कोयले से भरा ट्रेलर पलटा, बाल बाल बचे घरवाले

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पेंड्रा में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला। शनिवार सुबह तेज रफ्तार कोयले से भरा ट्रेलर ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इसकी चपेट में दो घर भी आ गए। दोनों घर वालों को काफी नुकसान हुआ है। पेंड्रा रतनपुर मार्ग की घटना है। कोयले से भरा ट्रेलर अमरपुर गांव के मुख्यमार्ग में सड़क किनारे बने कच्चे मकान में घुसते हुए पलट गया। हादसे में दोनों घरों को नुकसान हुआ है। घर की दीवार गिरने से बाउंड्री के अंदर रखी बाइक और साइकिल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। घर वालों की मानें तो ट्रेलर काफी स्पीड से आ रहा था। इस वजह से ड्राइवर उस पर कंट्रोल नहीं कर पाया और वह पलट गया। ट्रेलर अगर पलटने के बाद कुछ दूर आगे बढ़ता तो घर के बगल में सो रहे लोगों को भी अपनी चपेट में ले लेता। पीड़ितों ने बताया कि ड्राइवर और हेल्पर दोनों नशे में धुत थे। हादसे के तुरंत बाद घर वालों ने डायल 112 पर फोन किया और मामले की शिकायत की। घर वालों की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोनी में केन्द्र राज्य के सहयोग से बन रहा 10 मंजिला अत्याधुनिक हॉस्पिटल

- कलेक्टर ने 240 बेड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का किया निरीक्षण, बचे काम 15 फरवरी तक पूर्ण करने दिए निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने आज कोनी में सिम्स की विस्तारित निर्माणाधीन मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने बचे हुए निर्माण कार्य और उपकरणों की खरीदी 15फरवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि लगभग 200 करोड रुपए की लागत से इस मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। इसमें मरीजों के लिए 240 बेड सुविधा हैं।

केंद्र और राज्य दोनों सरकार की वित्तीय सहयोग से इसका निर्माण किया जा रहा है। सिम्स के इस विस्तारित अस्पताल में विशेषज्ञ वाले छह विभाग फिलहाल शुरू होंगे। इनमें नेफ्रोलॉजी,यूरोलॉजी कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस, न्यूरोलॉजी और न्यूरो सर्जरी शामिल हैं। कलेक्टर ने नक्शा के अनुरूप ग्राउंड फ्लोर से लेकर 10 वीं मंजिल तक निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। भवन में ग्राउंड फ्लोर के अलावा 10 मंजिल बनाए गए हैं। केंद्र सरकार के पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा इसका निर्माण कार्य किया जा रहा है। सिविल वर्क लगभग 98त्न कार्य पूर्ण हो गए हैं। केवल अब छोटे-मोटे कार्य बचे हैं। उपकरणों की खरीदी केंद्र सरकार की एजेंसी हाइट के माध्यम से की जा रही है। इनमें 77 प्रकार के उपकरणों में से 51 उपकरणों की खरीदी की जा चुकी है । कलेक्टर ने उपकरण खरीदी वाली एजेंसी को शेष उपकरणों की आपूर्ति 15फरवरी तक करने को कहा है।

कलेक्टर ने कहा अस्पताल शुरू होने के पहले फायर सेफ्टीऑडिट, लिफ्ट ऑडिट और लोकल बॉडी ऑडिट करा लिए जाएं। मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के ग्राउंड फ्लोर में रेडियोलॉजी और कैजुअल्टी की व्यवस्था की गई है। पहले और दूसरे मंजिल में ओपीडी, तीसरी मंजिल में प्रशासनिक कार्य, चौथी मंजिल में ऑपरेशन थिएटर और कैथलैब,पांचवी मंजिल में सर्विसेज के साथ छठवें से दसवें मंजिल तक विभिन्न मेडिकल वार्ड होंगे। कलेक्टर ने मल्टी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भरती शुरू करने को भी कहा है। सिम्स के स्टाफ को भी नए भवन का दौरा करने के निर्देश दिए हैं ताकि वे भवन से अच्छी तेरह अवगत हो सकें । सिम्स के विस्तार के प्रथम चरण में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण किया गया है। शासन के निर्देशानुसार अगले चरण में सिम्स के मेडिकल कॉलेज, डॉक्टर के रेजिडेंस छात्रों के रहने के लिए हॉस्टल, खेल मैदान, पार्किंग आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर सिम्स के अस्पताल अधीक्षक डॉ. नायक, मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के नोडल अधिकारी डॉ. रविकांत दास, सीपीडब्ल्यूडी के ईई अभिषेक गोपाल, ईई इलेक्ट्रिकल समरेंद्र साहू सहित ठेकेदार उपस्थित थे।

कांकेर में अयोध्या, चारामा में चित्रकार ने दीवार पर उकेरा राम दरबार

कांकेर। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर की 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। इन दिनों पूरा देश राममय हो चुका है। हर रोज सुबह शाम रामभक्त प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर अयोध्या पहुंचने का निमंत्रण देने बड़े ही उल्लास से ढोल नगाड़ों के साथ नगर में फेरी निकाल रहे हैं। सभी तरफ राम नाम की गूंज सुनाई दे रही है।

कांकेर भी राममय हो गया है। यहां के चारामा नगर में एक चित्रकार ने अयोध्या बसा दिया है। नवनिर्मित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कि खुशी में चित्रकार राजेश सोनी जिन्हें लोग रंग राजू के नाम से जानते हैं, उन्होंने चारामा के वार्ड क्रमांक 11 की एक गली की दीवार में प्रभु राम के जीवन के चित्र बनाए हैं। उनकी ये चित्रकारी पूरे शहर में चर्चा में बनी हुई है। दीवार पर बनी राम दरबार की चित्रकारी की काफी तारीफ कर रहे हैं।

चित्रकार रंग राजू ने कहा भगवान राम 500 साल से टेंट में बिताए हैं। आज प्राण प्रतिष्ठा का अवसर आया है। मेरा साथ मेरे मोहल्ले वासियों ने ये निर्णय लिया कि क्यों ना हमारे वॉर्ड को छोटा अयोध्या के रूप में सजाया जाए। वार्ड को चित्रकारी से सजाने में जितने हमारे चित्रकार भाई हैं और मोहल्ले वासी हैं उनका सब का सहयोग रहा है।

चित्रकार ने हजार फीट लंबी चित्रकारी में प्रभु श्री राम के जीवन के अलग अलग पड़ाव को दिखाया है। इसमें बाल्यकाल से लेकर सीता मिलन, वनवास, राम हनुमान मिलन और राम रावण युद्ध को दिखाया है।

संक्षिप्त समाचार

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने की स्वास्थ्य विभाग के बजट की समीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से सभी मंत्री और उनके विभागों के कार्यों की समीक्षा बैठक लगातार चल रही है। इसी क्रम में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में स्वास्थ्य विभाग के बजट की समीक्षा बैठक ली। यह बैठक महानदी भवन, मंत्रालय में वित्त और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ली। इस दौरान मंत्री चौधरी ने स्वास्थ्य विभाग के बजट की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्लई, वित्त सचिव अंकित आनंद , संचालक बजट शारदा वर्मा, संचालक आयुष इफ्फत आरा, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ऋतुराज रघुवंशी समेत विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षक नहीं होने से नाराज छात्रों ने स्कूल में जड़ा ताला, जमकर की नारेबाजी

भाटापारा। भाटापारा ब्लॉक के ग्राम गोढ़ी टी में छात्र-छात्राओं ने स्कूल में ताला जड़ दिया। शिक्षक की मांग को लेकर छात्रों ने धरना व नारेबाजी की। बताया जा रहा है कि कक्षा नौ और दस में 160 छात्र छात्राओं के लिए केवल एक शिक्षक ही नियुक्त है। नियमत: 5 शिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए। मार्च में दसवीं बोर्ड की परीक्षा है। शिक्षक नहीं होने से छात्रों में रोष है।

थाना प्रभारी और उप निरीक्षक समेत 15 पुलिसकर्मियों का किया गया तबादला

धमतरी। जिले के पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल हुआ है। एसपी प्रशांत ठाकुर ने जिले के अलग-अलग थानों में पदस्थ 15 पुलिसकर्मियों के तबादले का आदेश जारी किया है। इस आदेश में 9 थाना प्रभारी, 5 उप निरीक्षक और 1 सहायक उप निरीक्षक का नाम शामिल है। गौरतलब है कि, नई सरकार के गठन के बाद प्रदेश भर में कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने और पुलिसिंग में कसावट लाने के लिए एक ही स्थान पर लंबे समय से पदस्थ पुलिसकर्मियों के तबादले किये जा रहे है। इसी कड़ी में एसपी प्रशांत ठाकुर ने इन पुलिसकर्मीयों के तबादले का आदेश जारी किया है।

अनिरुधाचार्य महाराज की रायपुर में कथा सुनने केंद्रीय मंत्री गडकरी को निमंत्रण

रायपुर। छत्तीसगढ़ की धर्म नगरी गुढ़ियारी रायपुर में 19 से 25 जनवरी तक अनिरुधाचार्य महाराज जी के मुखारविंद से होने वाली श्रीमद् भागवत कथा में शामिल होने के लिए आयोजक श्री कृष्णा (कान्हा बाज़ारी) ने केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी को निमंत्रण पत्र सौंपा। गडकरी ने बाज़ारी व आयोजक समिति को अपनी ओर से शुभकामनाएँ दी। श्री नितिन गडकरी के कथा में आने की संभावना है, उनके आने की सूचना मिलते ही समिति के सदस्य उनके स्वागत की तैयारी में जुट जाएगा।

शिव डहरिया बनाए गए मणिपुर राज्य में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए पर्यवेक्षक

रायपुर। पूर्व मंत्री शिव कुमार डहरिया को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने मणिपुर राज्य में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। केवी वेणुगोपाल ने श्री डहरिया को जल्द से जल्द मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी और मणिपुर के प्रभारी के साथ समन्वय करने के निर्देश दिए है।

सीएम को स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों ने संरक्षक बैज पहना कर अलंकृत किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से 12 जनवरी की शाम भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों ने मुलाकात की। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय को स्काउट्स एवं गाइड्स की टीम ने संरक्षक बैज पहना कर अलंकृत किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं श्री अरुण साव और स्काउट्स एवं गाइड्स के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्काउट्स एवं गाइड्स के द्वारा चलाए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आपदा के समय जिस तरह से आप लोगों के द्वारा सेवा कार्य किया जाता है वह प्रेरणादायी है। उल्लेखनीय है कि राज्य के राज्यपाल इसके मुख्य संरक्षक, मुख्यमंत्री संरक्षक एवं शिक्षा मंत्री राज्य अध्यक्ष होते हैं।

कांग्रेस का डीएनए हिंदू विरोधी, इसलिए नहीं जा रहे अयोध्या : गिरिराज

रायपुर। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोनिया गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण अस्वीकार करने को लेकर बड़ा बयान दिया है। गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पार्टी को हिंदू विरोधी बताया है। गिरिराज सिंह के मुताबिक कांग्रेस के डीएनए में ही हिंदू विरोधी होने का गुण है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट ने सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को राम मंदिर प्राणप्रतिष्ठा के लिए निमंत्रण भेजा है, लेकिन वे नहीं जा रहे हैं क्योंकि वे हिंदू विरोधी हैं। उन्होंने कहा सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के समय प्रधानमंत्री पंडित नेहरु ने गुजरात के मुख्यमंत्री की क्लास ।उस समय राजेंद्र बाबू प्रथम राष्ट्रपति को भी मना किया था।क्योंकि वो कहते थे कि मैं बाय डिफॉल्ट हिंदू हूं। तो ये परंपरा उनके डीएनए में है हिंदू विरोधी।

गिरिराज सिंह 14 जनवरी की सुबह 10 बजे कोरबा के स्थानीय मंदिर में आयोजित स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद सुबह 11 बजे कोरबा के ग्राम ढोंगदरहा और दोपहर 02.15 बजे कटघोरा के ग्राम रंजना में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री अपने यात्रा के तीसरे दिन 15 जनवरी को कोरबा के एकलव्य आदर्श विद्यालय छुरीकला में आयोजित पीएम जनमन योजना कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इस योजना का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे। इस कार्यक्रम के बाद केन्द्रीय मंत्री सड़क मार्ग से दोपहर 01.30 बजे कोरबा से रायपुर एयरपोर्ट आयेंगे, जहां से नियमित विमान के जरिए नई दिल्ली प्रस्थान करेंगे।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर दिया बड़ा बयान, कहा-

राहुल गांधी को करनी चाहिए ज्ञान यात्रा

रायपुर। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह अपने तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे। रायपुर पहुंचते ही एयरपोर्ट पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने समेत बीजेपी नेता और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान गिरिराज सिंह ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए 14 जनवरी से शुरू हो रही राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को न्याय यात्रा की जगह ज्ञान यात्रा करनी चाहिए। किसी न किसी गांव में उन्हें किसी से ज्ञान जरूर मिलेगा।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पंचायत विभाग में हुए घोटालों की जांच की बात पर कहा कि भूपेश काल में सिर्फ घोटाला हुआ। कहा-कहा हुआ है उसी के लिए तो आया हूं। खासकर पंचायतों में एक गौठान निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। मनरेगा के कार्यों में अंकेक्षण विभाग में करोड़ों की रिकवरी कार्रवाई नहीं होने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी पूछता हूं कि वो रिकवरी नहीं किया गया है। मामले की जांच होगी और दोषियों को जेल भेजेंगे।

गिरिराज सिंह ने छत्तीसगढ़ दौरे पर कहा कि पंचायती राज को कांग्रेस ने लूटा है। इसलिए गौठानों को ठीक करने आया हूं। छग

सरकार कैसे बेहतरी से काम करे, उसके लिए एक बैठक करेंगे।

कांग्रेस के अयोध्या ना जाने पर गिरिराज सिंह ने तंज कसा है। उन्होंने कहा, मंदिर संस्थान ने सोनिया गांधी को भी निमंत्रण भेजा है। लेकिन यह नहीं जा रहे हैं। कांग्रेस हिंदू विरोधी रही है। कांग्रेस के डीएनए में हिंदू विरोधी है। कोई सूरज पर थूक फेके तो थूक आदमी पर पड़ता है। कांग्रेस ने 70 साल तक लटकाने और भटकाने का काम किया। सनातन हिंदुओं के जागरण का समय है जो जाएगा उसका किस्मत अच्छा है।

कांग्रेस की लोकसभा तैयारियों पर गिरिराज सिंह ने कहा। पूरे देश में इस बार कांग्रेस ने जो काम किया। पूरे देश में उन्हें उम्मीदवार नहीं मिलेंगे। क्योंकि इस देश की पहचान सनातन हिंदुओं से है। क्योंकि कांग्रेस हिंदू विरोधी है। जो शिव, राम और कृष्ण का विरोधी हो उन्हें चुनाव में कहां जगह मिलेगी।

राजधानी के नालंदा परिसर में फ्री-इंटरनेट की स्पीड अब डबल

मुख्यमंत्री की घोषणा पर त्वरित अमल

रायपुर। राजधानी रायपुर के एनआईटी कैम्पस में बनाए गए प्रदेश के पहले नालंदा परिसर (डिजिटल लाईब्रेरी) में पढने आने वाले छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए फ्री-इंटरनेट की स्पीड डबल कर दी गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप राष्ट्रीय युवा दिवस के दिन से इंटरनेट की स्पीड बढ़ाई गई है। इंटरनेट की स्पीड बढ़ जाने से छात्र-छात्राएं अब दुगुनी स्पीड से पढ़ाई कर सकेंगे। इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने के लिए छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विगत 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के मौके पर नालंदा परिसर का भ्रमण किया था। उस वक्त छात्र-छात्राओं ने इंटरनेट की स्पीड कम होने की समस्या बताई थी। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं की समस्या को त्वरित संज्ञान लेते हुए इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने की घोषणा की थी। नालंदा परिसर के प्रबंधन और संचालन के लिए कलेक्टर रायपुर के अध्यक्षता में नालन्दा परिसर प्रबंधन सोसायटी गठित की गई है। इस सोसायटी की बैठक में मुख्यमंत्री की घोषणा पर त्वरित कार्यवाही करते हुए लाईब्रेरी में इंटरनेट की स्पीड 12 जनवरी से दुगुना का निर्णय लिया गया। नालन्दा परिसर के नोडल अधिकारी केदार पटेल ने बताया कि लाईब्रेरी में पहले 100 एमबीपीएस की स्पीड से फ्री इंटरनेट की सुविधा थी जिसे बढ़ाकर अब 200 एमबीपीएस कर दिया गया है। नालंदा परिसर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए डिजिटल लाईब्रेरी भी संचालित की जा रही है। यह लाईब्रेरी 24 घंटे संचालित रहती है।

अयोध्या के लिए भेजी गई 20 कुंतल हरी सब्जी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दो ट्रकों से किया रवाना

रायपुर। भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से अयोध्या में होने वाले श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए किसान संघ की ओर से दो ट्रकों में 20 क्विंटल हरी सब्जी भेजी गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ट्रकों को झंडी दिखाकर अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। उन्होंने इसके लिए किसान संघ को बधाई दी। कार्यक्रम में अंचल के उन्नत और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया।

दुर्ग जिले के ग्राम खपरी (कुम्हारी) में आयोजित 'राष्ट्रीय कृषि मेला और संगोष्ठी' कार्यक्रम में सीएम साय, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओपी चौधरी और विधायक डोमलाल कोर्सेवाड़ा इस अवसर पर शामिल हुए। इस दौरान किसान संघ की ओर से लगभग 20 क्विंटल हरी सब्जियों से भरे दो ट्रक भेजी गई है। सीएम साय ने किसान मेला में लगे विभिन्न स्टालों का अवलोकन करते हुए किसानों और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से चर्चा की। इस दौरान उद्यानिकी विभाग के स्टॉल में प्रदर्शित एग्जॉटिक फ्रूट्स जैसे रोज वैक्स एप्पल, कश्मीरी एप्पल बेर और पैशन फ्रूट की जानकारी ली। इसके साथ ही स्वाद भी चखा। सीएम साय ने कहा है कि किसान हमारे अन्नदाता हैं, हमारी सरकार किसानों की चिंता करने वाली सरकार है। राज्य सरकार किसानों की उतरोत्तर उन्नति के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान भारत के प्रमुख धान उत्पादक राज्य के रूप में होती है। किसानों की मेहनत और परिश्रम के कारण ही यहां धान का विपुल उत्पादन होता है और छत्तीसगढ़ को 'धान के कटोरे' के नाम से जाना जाता है।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ युवा प्रगतिशील किसान संघ के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह किसानों की मेहनत और तकनीकी ज्ञान का ही फल है जिसके कारण छत्तीसगढ़ में उत्पादित फल, सब्जी, दुग्ध की दूसरे प्रदेशों में भी मांग हो रही है। तकनीकी ज्ञान का उपयोग कर और आगे बढ़े हम सब छत्तीसगढ़ को उन्नत प्रदेश बनाना चाहते हैं, इसमें आप सभी का सहयोग आवश्यक है।

एससी-एसटी-ओबीसी वर्ग के छात्रों के लिए पीएससी-व्यापम की फ्री कोचिंग सुविधा

14 जनवरी को होगी प्रवेश परीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एससी/एसटी/ओबीसी वर्ग के छात्र-छात्रों को स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क कोचिंग सुविधा दी जाएगी। इसके लिए प्रवेश परीक्षा 14 जनवरी को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक समय निर्धारित की गई है। इस परीक्षा के लिए शासकीय प्रयास बालक आवासीय विद्यालय, सड्डू रायपुर को सेंटर बनाया गया है। इसके लिए पात्र विद्यार्थियों से आवेदन 26 दिसंबर 2023 तक आमंत्रित किए गए थे।

इस प्रवेश परीक्षा में भारत का सामान्य ज्ञान, छत्तीसगढ़ सामान्य ज्ञान, गणित, रिजनिंग, हिन्दी, अंग्रेजी इत्यादि पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें कुल 100 अंक के 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। बता दें कि गलत उत्तर होने पर ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। कोचिंग की सुविधा नि:शुल्क है। प्रशिक्षण के लिए कुल स्वीकृत सीट 100 हैं, इसमें अनुसूचित जाति के लिए 30, अनुसूचित जनजाति के लिए 50 और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 20 सीट आरक्षित है। इसमें वर्गवार 33 प्रतिशत सीट महिलाओं के लिए सुरक्षित रहती है।

आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि %राजीव युवा उत्थान योजना% के अंतर्गत राज्य के रायपुर जिला मुख्यालय में स्थित परीक्षा पूर्व केन्द्र पर 100 सीट के लिए राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को बैंकिंग भर्ती बोर्ड, रेल्वे भर्ती बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग, छत्तीसगढ़ व्यापम इत्यादि के माध्यम से ली जाने वाली परीक्षाओं के लिए कोचिंग प्रदान करने की योजना है।

इस योजना के तहत साल में 6-6 माह के दो प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते है। अभ्यर्थियों का चयन प्राक्चयन परीक्षा के माध्यम से होता है। प्रथम 6 माह में प्राक्चयन परीक्षा में चयनित और द्वितीय 6 माह में प्रतीक्षा सूची के 100-100 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को एक हजार रुपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति उपलब्ध कराई जाती है।

कोचिंग सुविधा का लाभ लेने के लिए सिर्फ वही विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं, जो बैंकिंग भर्ती बोर्ड, रेल्वे भर्ती बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग, छत्तीसगढ़ व्यापम की ओर से आयोजित परीक्षा में शामिल होने के लिए निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखते हैं, जिनकी न्यूनतम आयु 20 वर्ष एवं अधिकतम आयु 30 वर्ष हैकोचिंग की सुविधा नि:शुल्क है।

विधानसभा चुनाव में मिली हार पर छलका पूर्व मंत्री भगत का दर्द

कहा- नहीं थी ऐसे परिणाम की उम्मीद, सभी लोग इससे डिप्रेस हैं

रायपुर। विधानसभा चुनाव में करारी हार अब तक कांग्रेस नेताओं को पीड़ा दे रही है। इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के नेताओं के एक-दूसरे से मुंह चुराने वाले बयान पर पूर्व अमरजीत भगत ने कहा कि बड़े नेताओं के बारे में हमारा बोलना उचित नहीं है। लेकिन किसी को भी इस परिणाम की उम्मीद नहीं थी। परिणाम कांग्रेस के विपरीत आया। सभी लोग इससे डिप्रेस हैं।

मंत्री अमरजीत भगत ने लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर कहा कि खुद से टिकट नहीं मांगेंगे। पार्टी चुनाव लड़ने बोलेगी तो विचार करेंगे। वहीं भाजपा नेता धरमलाल कौशिक के कांग्रेस की हालत खराब वाले बयान पर कहा कि कांग्रेस की छोड़िए, कौशिक जी के प्रति मेरी पूरी सहानुभूति है।

उन्होंने कहा कि धरमलाल कौशिक, अजय चंद्राकर, अमर अग्रवाल, रेणुका सिंह के साथ ठीक नहीं हुआ। इनके साथ केंद्रीय नेतृत्व ने बहुत गलत किया है। इनके सामने खाना रखकर उठा लिया गया। सभी नेताओं ने सूट सिला लिया था, पर धरा ही रह गया। मैं उम्मीद करता हूं कि इनके साथ न्याय होगा।

हसदेव अरण्य को लेकर आल इंडिया आदिवासी की ओर से दिए निर्देश पर पूर्व मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने हसदेव की कटाई पर रोक लग गई थी। कांग्रेस ने सीमित क्षेत्र में बांधकर रखा। इनकी सरकार आते ही हसदेव में कटाई शुरू हो गई। अखिल कांग्रेस आदिवासी की ओर से निर्देश मिले हैं, तो अमल होगा। हसदेव को बचाना जरूरी है।

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के नक्सल पर दिए बयान पर कांग्रेस का पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को लेकर जितनी भी सरकारें रहीं सभी ने शांति की अपील की। हमारी सरकार ने भी शांति को लेकर बातचीत करने की कोशिश की। शांति होनी भी चाहिए, लेकिन इनकी कथनी और करनी में अंतर नहीं आना चाहिए।

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में दिखेगा छत्तीसगढ़ का 'मुरिया दरबार'

■ मुख्यमंत्री साय ने झांकी में शामिल बच्चियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ की झांकी के तौर पर 'मुरिया दरबार' को प्रदर्शित किया जाएगा। झांकी का हिस्सा बनने वाली बालिकाओं से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चर्चा करने के साथ अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिल्ली जा रही बच्चियों से वर्चुअल चर्चा में कहा कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रत्येक प्रदेश की झांकी दिल्ली में निकलती है। छत्तीसगढ़ से इस बार आप मुरिया दरबार की झांकी लेकर दिल्ली जा रहे हैं। एक बड़ी जिम्मेदारी आप लोगों के कंधों पर है। पूरे छत्तीसगढ़ का मान-सम्मान आपके हाथों में है। हम चाहेंगे कि

बहुत अच्छे से झांकी वहां प्रस्तुत हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुरिया दरबार हम लोगों की आदिवासी संस्कृति का हिस्सा रहा है, उसे आप अच्छे तरीके से प्रस्तुत करेंगे, ऐसी उम्मीद है। इसके साथ आप महामहिम राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। इस अवसल पर आयोजन में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रही बच्चियों ने मुख्यमंत्री से पुरस्कार जीतकर लाने का वादा किया।

बस्तर में मुरिया दरबार की शुरुआत 8 मार्च, 1876 को हुई थी, जिसमें सिरोंचा के डिप्टी कमिश्नर मेक जार्ज ने मांझी-चालकियों को संबोधित किया था। बाद में लोगों की सुविधा के अनुरूप इसे बस्तर दशहरा का अभिन्न अंग बनाया गया, जो परंपरानुसार 145 साल से जारी है।

मुरिया दरबार में पहले राजा और रियासत के अधिकारी कर्मचारी मांझियों की बातें सुना करते थे, और तत्कालीन प्रशासन से उन्हें हल कराने की पहल होती थी। आज़ादी के बाद मुरिया दरबार का स्वरूप बदल गया। 1947 के बाद राजा के साथ जनप्रतिनिधि भी इसमें शामिल होने लगे।

1965 के पूर्व बस्तर महाराजा स्व। प्रवीर चंद्र भंजदेव दरबार की अध्यक्षता करते रहे। उनके निधन के बाद राज परिवार के सदस्यों मुरिया दरबार में आना बंद कर दिया था। वर्ष 2015 से राज परिवार के कमलचंद्र भंजदेव इस दरबार में शामिल हो रहे हैं।

बस्तर के मुरिया दरबार में अब बस्तर संभाग के निर्वाचित जन-प्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहते हैं। वे ग्रामीणों से आवेदन लेते हैं। मांझी, चालकी और मेंबर-मेंबरीन इनके सामने ही अपनी समस्या रखते हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी 2009 -10 से लगभग हर मुरिया दरबार में शामिल हो रहे हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

एन.आई.टी. क्र./सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रु. (लाखों में)
1	2	3
201/146534	CONSTRUCTION OF BORID TO CHANDIMANDIR APROACH ROAD I/C CULVERTS, LENGTH 0.90 KM, DIST.- RAIPUR	रु. 164.00 लाख

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 31.01.2024 समय सायं 5:30 बजे तक
सभी सक्षम एवं उपयुक्त निविदाकार उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी देखने एवं उपलोड करने हेतु प्रोक्योरमेंटपोर्टल - https://eproc.cgstate.gov.in पर इंरोल कर निविदा प्रक्रिया में भाग ले सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., रायपुर मंडल क्रमांक-1
रायपुर (छ.ग.)

जी-07074/8

समाचार पचीसा
रायपुर, रविवार 14 जनवरी 2024

समारोह का बहिष्कार कर कांग्रेस ने मौके को गंवाया

संतोष पाठक

देश के पूर्व प्रधानमंत्री और जीवन भर कांग्रेस में रहने वाले पीवी नरसिम्हा राव ने कहा था कि, हम बीजेपी से लड़ सकते हैं लेकिन भगवान राम से कैसे लड़ सकते हैं? लेकिन ऐसा लगता है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण को ठुकरा कर कांग्रेस ने कुछ ऐसी ही गलती कर दी है। कांग्रेस ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं जाने के अपने फैसले को सही ठहराने के लिए चाहे जो भी तर्क दिए हों या आने वाले दिनों में पार्टी के नेता चाहे जो भी तर्क दें, एक बात तो शीशे की तरह साफ है कि देश का बहुसंख्यक हिंदू जनमानस उसे स्वीकार नहीं करेगा। दरअसल, आजादी के पहले से ही कांग्रेस बहुसंख्यक समाज यानी हिंदुओं के हितों को लेकर थोड़ी कंफ्यूज रही है। देश के विभाजन और भारत की आजादी के बाद भी कांग्रेस के अंदर यह कंफ्यूजन बरकरार रहा। उस जमाने में भी कांग्रेस के ज्यादातर नेता हिंदुओं के हितैषी थे और धर्म के आधार पर हुए देश के विभाजन के बाद मुस्लिमों को किसी भी सूरत में रियायत देने के पक्ष में नहीं थे। लेकिन सरदार वल्लभ भाई पटेल की मृत्यु होने के बाद कांग्रेस में ऐसी सोच रखने वाले नेता किनारे होते चले गए और कांग्रेस धीरे-धीरे मुस्लिमों के पक्ष में पूरी तरह से झुकती चली गई। कांग्रेस की छवि देश में किस हद तक मुस्लिम परस्त पार्टी की बन गई, इसका अंदाजा कांग्रेस के अपने वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री एके एंटनी की रिपोर्ट से लगाया जा सकता है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी से बुरी तरह हारने के बाद कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्षा सोनिया गांधी ने हार के कारणों का विश्लेषण करने के लिए एके एंटनी की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी ने यह माना था कि देश के अधिकांश हिंदुओं ने कांग्रेस को मुस्लिमों की पार्टी मान कर वोट नहीं किया। हालांकि इसके बाद कांग्रेस ने फिर से सॉफ्ट हिंदुत्व की तरफ लौटने का प्रयास भी किया। गुजरात में 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी ने सॉफ्ट हिंदुत्व की तरफ लौटकर भाजपा को जबरदस्त टक्कर दी और उस चुनाव में भाजपा बहुत ही मुश्किल से अपनी सरकार बचा पाई थी लेकिन इसके बाद कांग्रेस फिर से अपने उसी पुराने ढर्रे पर लौट गई। कांग्रेस की दुविधा लगातार बढ़ती जा रही है। जिस कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कमलनाथ अपने-अपने राज्य में भगवान राम को सर-माथे लगाकर भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति को काटने का प्रयास करते रहे हैं और कमलनाथ तो आज भी अपने प्रयास में जुटे हुए है उसी कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के निमंत्रण को ठुकरा दिया है। अब यह कहा जाने लगा है कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार कर कांग्रेस ने एक बड़े मौके को गंवा दिया है। देश की राजनीति में नरेंद्र मोदी के दौर की शुरुआत होने के बाद से ही लगातार अल्पसंख्यकवाद और तुष्टिकरण की राजनीति पीछे होती जा रही है और कांग्रेस भी इसी बखूबी समझ रही है। कांग्रेस के ज्यादातर नेताओं को इस बात का अहसास है कि अब देश के बहुसंख्यक समाज हिंदुओं को साथ लिए बिना सिर्फ अल्पसंख्यकों की राजनीति करके भाजपा को हराना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुकिन भी है। वास्तव में राम मंदिर का यह कार्यक्रम कांग्रेस के लिए एक बड़ा मौका था जब वह एक नई राजनीति की शुरुआत करते हुए देश के बहुसंख्यक समाज को यह भरोसा दिला सकती थी कि कांग्रेस अब बिना किसी भेदभाव के सबको साथ लेकर आगे चलने को तैयार है लेकिन दुर्भाग्य से कांग्रेस ने इस बड़े मौके को गंवा दिया है और अब अपने राजनीतिक स्टाइल के मुताबिक भाजपा आक्रामक प्रचार अभियान के जरिए कांग्रेस को हर स्तर पर घेरने और बेनकाब करने की कोशिश करेगी जिसका सामना कर पाना या जवाब दे पाना कांग्रेस नेताओं के लिए आसान नहीं होगा। देश के राजनीतिक माहौल को देखते हुए यह भी कहा जा सकता है कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों को साधने का प्रयास कर रही कांग्रेस की हालत अंत में न माया मिली न राम वाली हो सकती है।

राम मंदिर पर कांग्रेस का निर्णय

अजय सेतिया

कांग्रेस ने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में राम लला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का बॉयकॉट करने का एलान किया है। कांग्रेस इसका एलान करने से बच सकती थी, वह कोई स्टैंड ही नहीं लेती। मन्दिर निर्माण को अधूरा और संघ परिवार का समारोह बताकर कांग्रेस ने बॉयकॉट कर दिया। हालांकि कांग्रेस के बॉयकॉट के फैसले का पार्टी के अंदर और बाहर उसी तरह विरोध हो रहा है, जैसे 370 पर कांग्रेस के स्टैंड का विरोध हुआ था। कांग्रेस अपने फैसले के पक्ष में चारों शंकराचार्यों के न जाने का भी हवाला दे रही है। चारों शंकराचार्यों के मंदिर समारोह के विरोध की अफवाह मीडिया के एक वर्ग ने ही कांग्रेस की मदद करने के लिए फैलाई। जबकि श्रंगेरी शारदा पीठ के शंकराचार्य अनंत श्री विभूषित जगतगुरु भारती तीर्थ और द्वारकाशारदा पीठ के जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने इन खबरों का खंडन करते हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह का स्वागत किया है, और इसे हर्ष का विषय बताया है।

कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के विरोध से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम तो रुकने वाला नहीं। यह शास्वत सत्य है कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद मन्दिर भी यही रहेगा और मूर्ति भी यही रहेगी। सारे देश में उस दिन 22 जनवरी को दिवाली भी मनाई जाएगी। इसलिए कांग्रेस की ही कर्नाटक सरकार ने उस दिन मन्दिरों में भव्य आयोजन का कार्यक्रम बनाया है। कर्नाटक में कांग्रेस कथित तौर पर मुस्लिम वोट बैंक के कारण जीती है, फिर कर्नाटक सरकार ऐसा क्यों कर रही है। शायद इसलिए कि कर्नाटक की 28 लोकसभा सीटें बहुत महत्वपूर्ण हैं, और उन्हें हिन्दू विरोध करके नहीं जीता जा सकता। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार और कांग्रेस पार्टी नेतृत्व का स्टैंड विरोधाभासी है।

आचार्य प्रमोद कृष्णन के बाद कांग्रेस की हिमाचल सरकार में मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे और हिमाचल सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने प्राण प्रतिष्ठा का निमन्त्रण स्वीकार करते हुए खुद को सौभाग्यशाली माना है कि उन्हें इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी होने का मौक़ा मिला है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के विधायक और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया ने इस बात पर अफ़सोस जताया है कि कांग्रेस ने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के उद्घाटन समारोह का बायकाट करने का फैसला किया है। गुजरात के ही पूर्व विधायक अंबरीश ढेर ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता कांग्रेस के इस फैसले से सहमत नहीं हैं। श्रीरामजन्म भूमि को

लेकर कांग्रेस नेतृत्व हमेशा से हिन्दू विरोधी स्टैंड लेता रहा है और कांग्रेस के भीतर हिन्दू नेता हमेशा असहज होते रहे हैं। जैसे आज आचार्य प्रमोद, या मोढवाडिया या विक्रमादित्य असहज महसूस कर रहे हैं, वैसे ही जब जवाहर लाल नेहरू ने विवादास्पद ढाँचे में रखी मूर्तियाँ हटाने की जिद्द पकड़ी थी तो कांग्रेस के बड़े नेता पुरषोतम दास टंडन, विशम्भर दयाल त्रिपाठी और राघव दास असहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने भी उस समय खुली बयानबाजी की थी। ढाँचे के बाहर ही निर्मोही अखाड़े के नियन्त्रण वाले राम चबूतरे में राम लला का विग्रह रखा था, कहते हैं यह विग्रह तब से वहां था, जबसे बाबर ने मन्दिर तुड़वाया था। 22 दिसंबर 1949 को जब हिन्दुओं की भीड़ ने विग्रह को उठा कर विवादास्पद ढाँचे में रख दिया था तब जवाहर लाल नेहरू का उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पन्त और गृहमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के साथ हुआ पत्रव्यवहार इस बात का गवाह है कि नेहरू ने भी वही स्टैंड लिया था जो आज सोनिया गांधी ने लिया है। जवाहर लाल नेहरू ने फैजाबाद के उस डीएम के. के. नायर को रिटायर कर दिया था, जिसने विवादास्पद ढाँचे से विग्रह हटाने से इंकार कर दिया था। जबकि उस समय के मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पन्त डीएम के इस फैसले से सहमत थे कि इसका फैसला कोर्ट से होना चाहिए। अभी अयोध्या में रामलला के जिस विग्रह की पूरी दुनिया पूजा करती है, ये वही विग्रह है जो 22 दिसंबर 1949 की रात को मस्जिद के अंदर प्रकट हुआ था।

जवाहर लाल नेहरु ने 23 दिसंबर को सुबह ही गोविंद बल्लभ पन्त से बात करके डीएम के.के. नायर को निर्देश पहुंचाया कि अयोध्या में तुरंत पहले वाली स्थिति बहाल की जाए। लेकिन डीएम ने इस आदेश को मानने से इंकार कर दिया। उन्होंने गृह सचिव को लिखा कि ऐसा करने से अयोध्या और आसपास की कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। इसके अलावा कोई भी पुजारी विवादास्पद ढाँचे से निकालकर मूर्ति को फिर से राम चबूतरे पर विधिवत स्थापित करने को तैयार नहीं होगा। नेहरू के दबाव में आए मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत डीएम के.के. नायर के तर्क से सहमत नहीं थे। गोविंद बल्लभ पंत ने फिर से डीएम के.के. नायर पर दबाव डाला, जिस पर उन्होंने अपने इस्तीफे की पेशकश कर दी थी। दो दिन बाद 25 दिसंबर 1949 को अपनी चिट्ठी में नायर ने लिखा था- %%अगर सरकार अब भी चाहती है कि रामलला की मूर्ति को वहां से हटाकर बाहर किया जाए, तो मेरी गुजारिश है कि मेरी जगह पर किसी और अधिकारी की नियुक्ति कर दी जाए। 26 और 27 दिसंबर, 1949 को यूपी सरकार के मुख्य सचिव भगवान सहाय को नायर ने लिखा कि 23 दिसंबर को जो घटना घटित हुई, वह अप्रत्याशित थी और उसे वापस करना मुश्किल है। उन्होंने सुझाव दिया कि अब इस मामले को अदालत के निर्णय पर छोड़ दिया जाए और जब तक अदालत का फैसला नहीं आता, मूर्ति जहां रखी है, वहीं रखी रहे, उसे जाली से घेर दिया जाए। इस बार गोविंद बल्लभ पन्त ने डीएम का सुझाव मान लिया, जिस पर नेहरू बहुत खफा हुए। नेहरू ने खुद डीएम को फोन कर के मूर्तियाँ हटवाने को कहा, लेकिन डीएम नायर ने उनकी बात सुनने से भी इंकार कर दिया। जिस पर 14 मार्च 1950 को उन्हें डीएम पद से मुक्त करके रिटायर कर दिया गया। केके नायर केरल के थे, लेकिन उनके स्टैंड के कारण उत्तर प्रदेश की जनता ने उन्हें इतना प्यार दिया कि 1967 में वह जनसंघ की टिकट पर बहराइच से सांसद चुने गए और अयोध्या के आस-पास के इलाके के लिए हिंदुत्व के बड़े चेहरे के तौर पर याद किए गए। उनकी पत्नी सुशीला नायर तो 1952 में कैसरगंज से सांसद चुनी गई, वह 1967 और 1971 में भी सांसद बनीं। के.के. नायर अगर उस वक्त प्रधानमंत्री नेहरू का आदेश मान कर मूर्ति हटवा देते तो शायद परिस्थितियां कुछ और होतीं और आज जो रामजन्मभूमि मन्दिर बन कर तैयार हुआ है, वह नहीं हुआ होता। उत्तर प्रदेश के कई कांग्रेस नेता भी राम लला की मूर्ति हटाए जाने की नेहरू की जिद्द से कतई सहमत नहीं थे। कई नेता खुलेआम हिन्दू हितों की बात करने लगे थे। जिनमें पुरषोतम दास टंडन, राघवदास और विशंभर दयाल त्रिपाठी जैसे कई कद्दावर कांग्रेसी शामिल थे। इसकी झलक पंडित नेहरू की ओर से उत्तर प्रदेश के गृहमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को 9 जुलाई 1950 को लिखी चिट्ठी से मिलती है। नेहरू ने इस चिट्ठी में विवादास्पद ढाँचे को बाबरी मस्जिद लिखते हुए लिखा, यह घटना दो-तीन महीने पहले घटी थी और मैं इससे बेहद परेशान हूं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मुद्दे पर बहादुरी दिखाई, लेकिन कुछ खास किया नहीं। उनके फैजाबाद के जिलाधिकारी ने गलत व्यवहार किया और इस घटना को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाए।

इस चिट्ठी में नेहरू ने शास्त्री को लिखा- जैसा कि आप जानते हैं कि अयोध्या में बाबरी मस्जिद का मामला हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह ऐसा मुद्दा है जो हमारी संपूर्ण नीति और प्रतिष्ठा पर गहराई से बुरा असर डाल रहा है, लेकिन इसके अलावा मुझे ऐसा लगता है कि अयोध्या में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। इस बात का पूरा अंदेशा है कि इस तरह की समस्याएं मथुरा और दूसरे स्थानों पर फैल जाएं। मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ इस बात से हो रही है कि हमारा कांग्रेस संगठन इस मामले में कोई दिलचस्पी नहीं ले रहा है और राघवदास और विशंभर दयाल त्रिपाठी जैसे कई कद्दावर कांग्रेसी नेता उस तरह का प्रोपोगंडा चला रहे हैं, जिसे हम सिर्फ सांप्रदायिक कह सकते हैं और जो कांग्रेस की नीति के खिलाफ है। नेहरू की इस चिट्ठी में साफ़ लिखा है कि रामजन्म भूमि मन्दिर की बात करना कांग्रेस की नीति के खिलाफ है, नेहरू की उसी नीति का राजीव गांधी ने भी पालन किया। कांग्रेस के नेता आजकल अपने बचाव में कहते हैं कि राजीव गांधी ने राम जन्मभूमि के ताले खुलवाए थे, जोकि बिलकुल गलत है। राजीव गांधी ने राम जन्मभूमि के ताले नहीं खुलवाए थे, ताले कोर्ट ने खुलवाए थे। अगर कोर्ट की ओर से ताले खुलवाने का श्रेय राजीव गांधी को दिया जाना चाहिए, तो रामजन्मभूमि मन्दिर बनवाने का श्रेय सुप्रीम कोर्ट के बजाय मोदी क्यों न लें। सच यह है कि शाहबानो पर सुप्रीमकोर्ट का फैसले पलटने से बनी मुस्लिम तुष्टिकरण की छवि बदलने के लिए राजीव गांधी के गृहराज्यमंत्री अरुण नेहरू मन्दिर के समर्थन में स्टैंड लेकर हवा को बदलना चाहते थे। अरुण नेहरू के कहने पर 9 नवंबर 1989 को विश्व हिन्दू परिषद को रामजन्मभूमि का शिलान्यास करने दिया गया था। विश्व हिन्दू परिषद ने शिलान्यास का फैसला उसी वर्ष मार्च में हुई धर्म संसद में लिया था। लेकिन जहां शिलान्यास हुआ वह भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर नहीं था। राजीव गांधी ने 1989 के चुनाव प्रचार का श्रीगणेश अयोध्या से जरुर किया था, रामजन्मभूमि मन्दिर बनवाने का वायदा भी किया था, लेकिन वह विवादास्पद ढांचा तोड़कर श्रीराम के जन्म स्थान पर मन्दिर नहीं बनवाना चाहते थे। विवादास्पद ढांचा तोड़कर जहां आज श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर बन कर तैयार खड़ा है, उसे जवाहर लाल नेहरू से लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे तक बाबरी मस्जिद ही कहते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

प्राणाग्निहोत्रोपनिषद् (भाग-4)

गतांक से आगे...

वे (प्राणरूप पुरुष) विशिष्ट चेष्टासम्पन्न हैं, अतः बाह्यात्मा इनका चिन्तन करे। यह पुरुष (प्रत्येक दिन प्राण-रूपी) अग्निहोत्र करता है। [क्योंकि तुम्हारा परमात्मा (अग्नि रूप का) पुत्रवत् पोषण करते हैं।] अतः तुम सभी के पुत्र भी होते हो, इस यज्ञीय भाव से परिवृत होकर तुम आहुतियों का होम करते हो। अपने शरीर में यज्ञ को परिवर्तित करता हूँ। इस शरीर में अग्रियों की संख्या चार मानी गई है, जो अत्यन्त सूक्ष्मातिसूक्ष्म है। ये सभी अर्धमात्रिक मात्र हैं।

इन चार अग्नियों में से सूर्याग्नि नामक अग्नि, सूर्य मण्डलाकृति के अनुरूप है। यह अत्यधिक तेजोमयी सहस्र (असंख्य) रश्मियों से सम्पन्न व्यापकरूप में होकर मूर्धा भाग में प्रतिष्ठित रहती है। (जैसा कि प्रसिद्ध है- तुरीयं मूर्छिन संस्थितम)। चूंकि यह जीवात्मा सर्वत्र ईश्वररूप में दृष्टिगोचर होता है, इसी कारण यह दर्शनाग्नि कहा गया है। यह विराड् आदि चार आकृतियों से युक्त आहवनीय बनकर मुख में स्थित रहता है।

स्थूल शरीर को जलाने वाली शारीर अग्नि (हिरण्यगर्भ) स्थूल शरीर के आश्रित जरादि अवस्था के द्वारा कमजोर किया जाता है, स्थूल प्रपंच रूप हवि को ग्रसित करता है, जो कि अर्द्धचन्द्र के स्वरूप वाला दक्षिणाग्नि होकर समस्त भूत-प्राणियों के हृदय में विद्यमान रहता है। (चौथी) कोष्ठाग्नि नामक अग्नि है। जो खायी, पी-हुई, चाटी हुई एवं आस्वादित वस्तु को अच्छी तरह से पकाकर गार्हपत्याग्नि के रूप में नाभिस्थल में प्रतिष्ठित रहती है।

इस प्रकार प्रायश्चित्त वृत्तियाँ (चित्त की वृत्तियाँ) अधः (नीचे) प्रतिष्ठित हैं, तिर्यक् (वक्र वृत्तियाँ) तथा तीन (जाग्रत, स्वप्न एवं सुषुप्ति) अवस्थाओं के प्रकाशक हिमांशु (अर्थात् चिरूप चन्द्र) सभी तरह से समर्थ प्रभु हैं। सभी कुछ प्रकाशमय कर देने वाले हैं। इस शारीर यज्ञ का, जो कि यूप (खम्भे) एवं रसना (रस्सी) से अशोभित (यूप और रसना से रहित) है, उसका यजमान कौन है? पत्नी, ऋत्विज् एवं सदस्य कौन हैं?

क्रमशः ..

भारतीय सेना दिवस

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है और हम इस वर्ष 15 जनवरी को 75वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि आज ही के दिन वर्ष

1949 में लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।

1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे करियप्पा ने 20 वर्ष की आयु में ब्रिटिश इंडियन आर्मी में नौकरी शुरू की थी और भारत-पाक आजादी के समय उन्हें दोनों देशों की सेनाओं के बंटवारे की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। 1947 में उन्होंने भारत-पाक युद्ध में पश्चिमी सीमा पर भारतीय सेना का नेतृत्व किया था। दूसरे विश्व युद्ध में बर्मा में जापानियों को शिकस्त देने के लिए उन्हें प्रतिष्ठित सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश अम्पायर' दिया गया था। 1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ।

केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी। उन्हें 28 अप्रैल 1986 को फील्ड मार्शल का रैंक प्रदान किया गया था। फील्ड मार्शल एक पांच सितारा अधिकारी रैंक और भारतीय सेना में सर्वोच्च प्राप्य रैंक है। भारतीय सेना में यह पद सर्वोच्च होता है, जो किसी सैन्य अधिकारी को सम्मान स्वरूप दिया जाता है। देश के इतिहास में अब तक केवल दो अधिकारियों को ही यह रैंक दिया गया है। सबसे पहले जनवरी 1973 में राष्ट्रपति द्वारा सैम मानेकशां को फील्ड मार्शल पद से सम्मानित किया था। उसके बाद 1986 में केएम करियप्पा को फील्ड मार्शल बनाया गया।

भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे 'भारतीय थल सेना' नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है।

भारत के हित को भी प्रभावित करेगा ताइवान का चुनाव?

अभिनय आकाश

इस वक्त पूरी दुनिया की नजर स्वशासित द्वीप ताइवान के चुनाव पर लगी है। 13 जनवरी के दिन यहां मतदान हो रहा है, जिसमें दो करोड़ 30 लाग मतदाता हिस्सा ले रहे हैं। चुनाव में जो भी व्यक्ति राष्ट्रपति चुना जाएगा वो अमेरिका और चीन के साथ रिश्ते को आकार देगा। इस भूभाग में अमेरिका और चीन के बीच जारी तनाव के केंद्र में ताइवान है। इसका ताइवान के पड़ोसियों के साथ साथ सहयोगियों पर भी गहरा असर पड़ेगा। डिजिटल युग में ताइवान का महत्व इस तथ्य से समझा जा सकता है कि दुनिया का 60त्न से अधिक सेमीकंडक्टर उत्पादन वहीं होता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग में इस्तेमाल होने वाले एडवांस सेमीकंडक्टर तो 90त्न से ज्यादा ताइवान में ही बनते हैं।

1949 में माओ ज़ेडॉन्ग की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा मुख्य भूमि पर सत्ता हथियाने के बाद, चियांग काई-शेक के नेतृत्व में निर्वासित चीनी राष्ट्रवादियों ने ताइवान द्वीप पर एक एन्क्लेव की स्थापना की और इसे %चीन गणराज्य% घोषित किया। सबसे पहले, संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिम के एक बड़े वर्ग ने इस %सरकार% का समर्थन किया। शीत युद्ध में, ताइपे में ताइवानी सरकार संयुक्त राज्य अमेरिका की एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में उभरी और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चीन की सीट पर कब्जा कर लिया। हालांकि, 1979 में सब कुछ बदल गया जब अमेरिका ने मुख्य भूमि चीन के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के अपने प्रयासों के तहत, अपनी मान्यता ताइपे से बीजिंग में स्थानांतरित कर दी। वाशिंगटन ने इस समायोजन के साथ ताइवान के प्रति रणनीतिक अस्पष्टता की रणनीति अपनाई, जो आज

तक जारी है। आधिकारिक तौर पर, अमेरिका बीजिंग की इस मान्यता को मान्यता देता है कि ताइवान %एक चीन% सिद्धांत के तहत चीन का हिस्सा है। हालाँकि, यह ताइवान के साथ घनिष्ठ संबंध रखता है। 1949 से 1996 तक, काई-शेक के केएमटी ने ताइवान पर वास्तविक तानाशाही के तहत शासन किया, लेकिन 1996 में, देश में पहला प्रत्यक्ष राष्ट्रपति चुनाव हुआ। तब से, 2000, 2008 और 2016 में तीन बार शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण हो चुका है। ताइवान की वर्तमान राष्ट्रपति, डीपीपी की त्साई इंग-वेन ने 2016 में शीर्ष पद पर निर्वाचित होने वाली पहली महिला बनकर इतिहास रच दिया। उसे संवैधानिक रूप से फिर से दौड़ने से रोक दिया गया है। त्साई को द्वीप की विदेश नीति पर अपने सख्त रुख के लिए जाना जाता था, उन्होंने 1992 की आम सहमति को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था जिसमें कहा गया था कि ताइवान %एक चीन% का हिस्सा है। त्साई ने ताइवान के आरक्षित बल का पुनर्गठन शुरू किया, जिसका उद्देश्य संघर्ष के समय सशस्त्र बलों का समर्थन करना और देश के रक्षा बजट को लगभग चौगुना कर दिया। उन्होंने आवश्यक सैन्य सेवा अवधि को भी बढ़ाकर एक वर्ष कर दिया। इसके अतिरिक्त, त्साई ने ताइवान के रक्षा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश किया, एक घरेलू पनडुब्बी का निर्माण किया और ड्रोन और मिसाइल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

तीन दल राजनीतिक मंच पर प्रभुत्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं, प्रत्येक दल ताइवान के भविष्य के लिए एक अनोखा विजन पेश कर रहा है। ताइपे के करिश्माई पूर्व मेयर डॉ. को वेन-जे मध्यमार्गी बैनर के साथ ताइवान पीपुल्स पार्टी (टीपीपी) का नेतृत्व कर रहे हैं, जो ताइवान की आर्थिक समस्याओं से निपटने में व्यावहारिकता और दक्षता का वादा करता है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी), सत्ता की लहर पर सवार होकर, वर्तमान उपराष्ट्रपति डॉ. लाई चिंग-ते (विलियम लाई) को मैदान में उतार रही है, जिसका लक्ष्य ताइवान की स्वतंत्र पहचान और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर जोर देते हुए पार्टी के लिए लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक कार्यकाल हासिल करना है। सत्ता में वापसी की होड़ में कुओमितांग (केएमटी) के अनुभवी राजनेता और न्यू ताइपे शहर के वर्तमान मेयर होउ यू-इह मुख्य भूमि चीन के साथ घनिष्ठ संबंधों की वकालत कर रहे हैं। जबकि को वेन-जे, राजनीतिक बाहरी व्यक्ति, अपने नए दृष्टिकोण और स्थिर वेतन और बढ़ती आवास लागत से निपटने के वादे के साथ युवा मतदाताओं से अपील करते हैं, लाई चिंग-ते वर्तमान राष्ट्रपति त्साई की नीतियों पर निर्माण करके और अन्य लोकतंत्रों के साथ काम करके निरंतरता प्रदान करते हैं। दूसरी ओर, होउ यू-इह अधिक पारंपरिक रूप से रूढ़िवादी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, जो चीन के साथ स्थिरता और घनिष्ठ आर्थिक संबंधों की मांग करने वालों के साथ मेल खाता है।

तनाव के बावजूद चीन ताइवान का सबसे बड़ा वाणिज्यिक भागीदार है। बड़ी संख्या में ताइवानियों के इस जलडमरूमध्य में पारिवारिक और व्यावसायिक संबंध हैं। हालाँकि, समय के साथ सर्वेक्षण उन व्यक्तियों के अनुपात में वृद्धि का संकेत देते हैं जो खुद को चीनी के बजाय ताइवानी के रूप में पहचानते हैं। हालांकि वे सबसे प्रभावी रणनीति पर असहमत हैं, सभी दावेदार ताइवान की वास्तविक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना चाहते हैं। जबकि लाई ताइवान के सहयोगियों के साथ घनिष्ठ संबंधों को प्राथमिकता देते हैं, होउ और को बीजिंग के साथ बातचीत फिर से शुरू करने पर अधिक जोर देते हैं, जिसे चीन ने 2016 में राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन के उद्घाटन के बाद तोड़ दिया था। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की कम्युनिस्ट पार्टी का नेतृत्व सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार के जरिए चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है। पार्टी ताइपे में सत्तारूढ़ पार्टी को उखाड़ फेंकने के लिए उत्सुक है और अपने दावे में और अधिक मुखर हो गई है कि लोकतांत्रिक ताइवान चीन का हिस्सा है। वैसे तो चीन हमेशा से ताइवान के लिए चिंता का विषय रहा है, लेकिन हाल की दो घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। बीजिंग ने 2020 में हांगकांग के लिए एक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून बनाया और तब से, इसने राजनीतिक और नागरिक स्वतंत्रता को महत्वपूर्ण रूप से प्रतिबंधित कर दिया है। जब 1984 की चीन-ब्रिटिश संयुक्त घोषणा के तहत ब्रिटिश द्वारा हांगकांग को चीन को सौंप दिया गया था, तो बीजिंग ने इसे उच्च स्तर की स्वायत्तता का वादा किया था। यह देखने के बाद कि बीजिंग ने हांगकांग में अपना वचन कैसे तोड़ा, कई ताइवानी सावधान हो गए हैं। इसके अतिरिक्त, दो साल के रूसी हमले के खिलाफ खुद की रक्षा करने की यूक्रेन की क्षमता ने सत्तावादी ताकतों को प्रतिबंधित करने के लिए छोटी सेनाओं की क्षमता का प्रदर्शन करके ताइवान के नेताओं को उत्साहित किया है।

आज का इतिहास

1912 रेमंड पोंकारे फ्रांस के प्रधानमंत्री बने।

1943 विंस्टन चर्चिल, फ्रेंकलिन डी. रूजवेल्ट, चार्ल्स डी गॉल और हेनरी जीरूद द्वितीय विश्व युद्ध के अगले चरण के लिए मित्र देशों की यूरोपीय रणनीति की योजना बनाने के लिए कैसाब्लांका शहर में मिले थे।

1953 जोसिप ब्रोज़ टीटो का उद्घाटन यूगोस्लाविया के पहले राष्ट्रपति के रूप में किया गया था।

1954 नैश-केल्विनेटर और हडसन मोटर कार कंपनी %बिग थ्री% को एक समान रूप से चुनौती देने में सक्षम एक मल्टी ब्रांड कंपनी बनाने के प्रयास में अमेरिकी मोटर्स बनने के लिए विलय कर दिया।

1957 कृपालु महाराज हिंदू धर्म के सर्वोच्च आध्यात्मिक नेता, पांचवें जगद्गुरु बन गए।

1967 काउंटरकल्चर ह्यूमन बी-इन को सैन फ्रांसिस्को के गोल्डन गेट पार्क में आयोजित किया गया था, जिसमें समर ऑफ लव लॉन्च किया गया था।

1973 ई से एल्विस प्रेस्ली के संगीत कार्यक्रम अलोहा को उपग्रह के माध्यम से लाइव प्रसारित किया गया था, और टेलीविजन इतिहास में एक व्यक्तिगत मनोरंजनकर्ता द्वारा सबसे ज्यादा देखे जाने वाले प्रसारण के रूप में एक रिकॉर्ड स्थापित किया।

1974 विश्व फुटबाल लीग की स्थापना की गई।

1975 ब्रिटिश किशोर उत्तराधिकारी लेस्ली व्हिटेल को डोनाल्ड नीलसन द्वारा अपहरण कर लिया गया था और बाद में एक असफल रैन बसेरे संग्रह प्रयास के दौरान उसकी हत्या कर दी गई थी।

1978 ऑस्ट्रियाई तर्कशास्त्री कर्ट गोडेल, जो ज़हर दिए जाने के जुनूनी भय से पीड़ित थे, अपनी पत्नी के अस्पताल में भर्ती होने और उनके लिए खाना बनाने में असमर्थ होने के बाद भुखमरी से मर गए।

1989 ब्रैडफोर्ड इंग्लैंड में, 1000 मुस्लिम सलमान रुश्दी के उपन्यास सैटेनिक वर्सेज को जलाते हैं।

1990 प्रसिद्ध गोल्फ खिलाड़ी, पेरेज़ डी कुएलर कहते हैं कि उन्होंने खाड़ी में शांति के लिए सभी आशा खो दी है।

1991 जॉर्ज सेरानो एलियास ने ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

रामजन्मभूमि आंदोलन भारत के इतिहास में एक निर्णायक और परिणामकारी घटना

एलके आडवाणी

मैं शब्दातीत प्रफुल्लित हूँ कि हम श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में एक भव्य श्रीराम मंदिर बनाने के मेरे सबसे प्रिय सपने को साकार होता देखने वाले हैं। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अयोध्या के दिव्य मंदिर में श्रीराम के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा करेंगे। मैं धन्य हूँ कि मैं अपने जीवनकाल में इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनूँगा। मेरा सदैव मानना रहा है कि एक सार्थक जीवन और समाज, दोनों की ही नींव आस्था पर टिकी होती है। आस्था व्यक्ति के जीवन में न केवल ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करती है, बल्कि उसे दिशा देने में भी सहायक होती है। मेरे लिए और करोड़ों भारतीयों के लिए, यही आस्था श्रीराम के प्रति हमारी अगाध श्रद्धा रही है।

श्रीराम भारत की आत्मा के प्रतीक है। भारत और भारतीयता की सच्ची आत्मा अनुशासन, सच्चाई, सत्यनिष्ठा, नैतिकता, नैतिक मूल्य, विविधता को स्वीकार करना और उस पर गर्व करना, बड़ों के प्रति सम्मान, सुदृढ़ पारिवारिक संबंध और ऐसे सभी उत्कृष्ट मानवीय मूल्य है; श्रीराम इन सभी निष्कलंक मानवीय गुणों के प्रतीक हैं। इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। वे भारतीयों की उच्च मूल्यों का जीवन जीने की आकांक्षा के एक आदर्श हैं। श्रीराम एक आदर्श राजा भी थे %धर्म% के जीवंत अवतार। इसलिए सुशासन के प्रतीक %रामराज्य% की अवधारणा को भारत के लिए आदर्श के रूप में प्रचारित किया गया। यद्यपि श्रीराम हिंदुओं के लिए पूजनीय पवित्र धार्मिक विभूति हैं, साथ ही वे भारत की उस सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय पहचान के भी एक प्रमुख प्रतीक हैं, जो समान रूप से प्रत्येक नागरिक की धरोहर है। श्रीराम के जीवन की कहानी, रामायण, भारत की सांस्कृतिक परंपराओं की निरंतरता का स्रोत और वाहक दोनों है और इसने शताब्दियों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी, भारतीय मानस को बहुत प्रभावित किया है। इसलिए पिछले लगभग 500 वर्षों से, कोटि-कोटि भारतीयों की हार्दिक इच्छा रही है कि अयोध्या में श्री राम मंदिर का पुनर्निर्माण हो।

अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए किया गया रामजन्मभूमि आंदोलन 1947 के बाद के भारत के इतिहास में एक निर्णायक और परिणामकारी घटना सिद्ध हुई। हमारे समाज, राजनीति तथा राष्ट्रीय पहचान की भावना पर इसका गहरा प्रभाव रहा है। मैंने सदैव कहा है कि मेरी राजनीतिक यात्रा में अयोध्या आंदोलन सबसे निर्णायक परिवर्तनकारी घटना थी, जिसने मुझे भारत को पुन: जानने और इस प्रक्रिया में अपने आप को भी फिर से समझने का अवसर दिया। मैं विनम्रता से कहता हूँ कि नियति ने मुझे 1990 में सोमनाथ से अयोध्या तक श्रीराम रथयात्रा के रूप में एक महत्त्वपूर्ण कर्तव्य निभाने का अवसर दिया। मेरा मानना है कि कोई भी घटना अंतत: वास्तविकता में घटित होने से पहले व्यक्ति के मन-मस्तिष्क में आकार लेती है। उस समय मुझे लग रहा था कि नियति ने यह निश्चित कर लिया है कि एक दिन अयोध्या में श्रीराम का एक भव्य मंदिर अवश्य बनेगा- बस अब केवल समय की बात है। रामजन्मभूमि पर श्रीराम का एक भव्य मंदिर बनना भारतीय जनता पार्टी की प्रबल इच्छा और दृढ़ संकल्प रहा है। 1980 के दशक के मध्य में जब अयोध्या मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया, तो मुझे वह समय याद आया कि कैसे महात्मा गांधी, सरदार पटेल, राजेंद्र प्रसाद और के.एम. मुंशी जैसे राजनीतिक दिग्गजों के प्रभावी नेतृत्व द्वारा, सभी बाधाओं के बाद भी, स्वतंत्र भारत में एक और ऐतिहासिक मंदिर (गुजरात में सौराष्ट्र के तट पर प्रभासपाटन में सोमनाथ मंदिर) के पुनर्निर्माण का पथ प्रशस्त किया था।

मध्य काल में सोमनाथ अनेक विदेशी आक्रांताओं के निशाने पर रहा और उनके आक्रमणों का साक्षी भी रहा, तथा सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण अपने खोए सांस्कृतिक गौरव को वापस पाने और धर्मांध विदेशी आक्रांताओं के इतिहास को मिटाने के भारत के दृढ़ संकल्प का एक गौरवपूर्ण प्रमाण है। दुखद है कि सोमनाथ के समान ही, अयोध्या में श्रीराम के जन्मस्थान पर बना मंदिर भी मुगल साम्राज्य की स्थापना करने वाले आक्रमणकारी बाबर के हमले का निशाना बन गया था। 1528 में बाबर ने अपने कमांडर मीर बाकी को अयोध्या में एक मस्जिद बनाने का आदेश दिया, ताकि उस स्थान को फरिश्तों के अवतरण का स्थान बनाया जा सके, इसलिए इसका नाम बाबरी मस्जिद पड़ा।

यह सभी मानते हैं और बाद में पुरातात्त्विक साक्ष्यों से इसकी पुष्टि भी हो गई कि अयोध्या में पहले से ही एक मंदिर था, जिसे मस्जिद की स्थापना के लिए ध्वस्त कर दिया गया था। इस कारण, कई अर्थों में अयोध्या आंदोलन ने सोमनाथ की भावना को ही आगे बढ़ाया। 1990 में जब भाजपा ने निर्णय लिया कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में मुझे अयोध्या आंदोलन के लिए जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से श्रीराम रथयात्रा का नेतृत्व करना चाहिए, तो मैंने स्वाभाविक ही इस ऐतिहासिक यात्रा के आरंभिक स्थल के रूप में सोमनाथ को चुना। 12 सितंबर, 1990 को मैंने 11 अशोक रोड, नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और 10,000 किलोमीटर लंबी रथयात्रा करने के अपने निर्णय की घोषणा की। यात्रा 25 सितंबर को सोमनाथ से आरंभ होकर 30 अक्तूबर को अयोध्या पहुँचने वाली थी, जहाँ आंदोलन से जुड़े संतों की योजना के अनुसार कारसेवा की जानी थी। 25 सितंबर मेरे लिए विशेष था, क्योंकि इस दिन पं. दीनदयाल उपाध्यायजी की जयंती है। अपनी आत्मकथा मेरा देश मेरा जीवन में मैंने 1990 में अयोध्या आंदोलन और श्रीराम रथयात्रा के विषय में विस्तार से चर्चा की है। आज के इस विशेष अवसर पर मैं इसके कुछ महत्त्वपूर्ण अंशों को याद दिलाना चाहूँगा। 25 सितंबर, 1990 की सुबह मैंने सोमनाथ मंदिर में ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना की। मेरे साथ वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी (जो उस समय भाजपा के एक होनहार नेता थे), श्री प्रमोद महाजन (जो पार्टी के महासचिव थे), गुजरात में पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और मेरे परिवार के सदस्य थे। पार्टी के दो उपाध्यक्ष राजमाता विजयाराजे सिंधिया और श्री सिकंदर बख्त रथ को हरी झंडी दिखाने आए थे।

रथ को रवाना करने से पहले हम सभी ने मंदिर के ठीक बाहर सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मैंने मन-ही-मन उन सभी महापुरुषों को धन्यवाद दिया और उनसे प्रेरणा ली, जिन्होंने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए कड़ा परिश्रम किया था। स्वागत और आशीर्वाद देने के लिए एकत्र हुई भारी भीड़ के बीच हम श्रीराम रथ पर चढ़े, जिसे गेंदे के फूलों से सजाया गया था। फिर

गुंजायमान शंखनाद ओर जय श्रीराम व सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएँगे के गगनभेदी नारों के साथ रथ आगे बढ़ा। बाद के दिनों में ये नारे मेरी यात्रा की पहचान बन गए और भारत की स्वर कोकिला, स्वर सम्राज्ञी स्वर्गीय श्रीमती लता मंगेशकर द्वारा गाया गीत राम नाम में जादू ऐसा, राम नाम मन भाए; मन की अयोध्या तब तक सूनी, जब तक राम न आएँ- रथयात्रा का मुख्य गीत बन गया।

गुजरात में पहले कुछ दिनों में ही यात्रा को मिले प्रतिसाद और उसके प्रति उत्साह से मैं वास्तव में अभिभूत था। सभी स्थानों पर भारी भीड़ ने रथ का स्वागत किया। गाँवों, कस्बों और यहाँ तक कि सड़कों पर भी, आस-पास की बस्तियों के लोग पेड़ों के नीचे इकट्ठा होकर रथ के आने की उत्सुकता से प्रतीक्षा किया करते थे। बड़े कस्बों और शहरों में यह अपूर्व उत्साह चरम पर पहुँच गया था, जिसके कारण हमें अपनी बैठकों के स्थल तक पहुँचने में घंटों लग जाते थे।

यह जनसमर्थन महाराष्ट्र के साथ-साथ उसके बाद के सभी राज्यों में भी उत्तरोत्तर बढ़ता गया, जहाँ-जहाँ से यात्रा गुजरी। जगह-जगह लोगों ने भव्य तोरणद्वार बनाकर और पुष्पवर्षा करके रथ का स्वागत किया। मेरे लिए सबसे आश्चर्यजनक दृश्य वह था, जिसमें लोग, विशेष रूप से महिलाएँ, रथ के आगे आकर आरती करती थीं और सिक्के चढ़ाती थीं, जैसे कि वे किसी मंदिर में प्रार्थना कर रही हों। मुझे शीघ्र ही अनुभव हुआ कि अनेक लोगों के लिए, इस अभियान की दृष्टि से मैं इतना महत्त्वपूर्ण नहीं था और मेरे द्वारा इसका नेतृत्व करना मात्र एक संयोग था। मैं तो केवल एक सारथी था; रथयात्रा का प्रमुख संदेशवाहक स्वयं रथ ही था। और यह पूजा के योग्य इसीलिए था, क्योंकि यह श्रीराम मंदिर के निर्माण के पवित्र उद्देश्य की पूर्ति के लिए उनके जन्मस्थान अयोध्या जा रहा था।

इस बिंदु पर मैं उस रथ के विषय में कुछ कहना चाहूँगा, जिसमें मैंने यात्रा की थी। वह वास्तव में एक मिनी ट्रक था, जिसे रथ का आकार देने के लिए रीडिजाइन किया गया था और इसमें मूलभूत सुविधाएँ प्रदान की गई थीं।

रथ में यात्रा करना मेरे लिए वास्तव में एक अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव था, लेकिन इसने अपनी ही अनेक चुनौतियाँ भी प्रस्तुत कीं। वाहन के पीछे एक छोटा कमरा-सह-शौचालय था, जिसका उपयोग केवल तभी किया जा सकता था, जब वाहन चल न रहा हो, क्योंकि यह बहुत उछलता था। मुझे याद है कि अपना संतुलन बनाए रखने के लिए मुझे अधिकतर चलती गाड़ी के मंच पर सामने और किनारे पर लगी रॉड को पकड़कर खड़ा होना पड़ता था। निस्संदेह इस कारण लगातार गरमी और धूल का भी सामना करना पड़ता था, क्योंकि मंच तीन तरफ से खुला था।

इसके अलावा रथ के चलते समय यह असंभव था कि मैं पानी, जूस या चाय बिना गिराए पी सकूँ। इसलिए इस समस्या को दूर करने के लिए एक विशेष सिपर बोतल की व्यवस्था की गई। जहाँ तक भोजन की बात है, तो ऐसी व्यवस्था की गई थी कि रात का खाना उस शहर के अपनी पार्टी के किसी कार्यकर्ता के घर से आएगा, जहाँ हमें रात्रि विश्राम के लिए पहुँचना था। चूंकि अंतिम सार्वजनिक बैठक हमेशा आधी रात के लगभग ही समाप्त होती थी, इसलिए मैं सामान्यतया मुरब्बा टोस्ट के साथ सिर्फ एक गिलास दूध ही लेता था।

एक और समस्या हमें अक्सर रथ की ऊँचाई के कारण आती थी। हालांकि पार्टी के अधिकारियों ने यात्रा के मार्ग में विभिन्न गंतव्यों तक वाहन की ऊँचाई के बारे में अग्रिम जानकारी प्रसारित की थी, लेकिन जैसे-जैसे हम छोटे कस्बों और शहरों से गुजरते थे, ऊपर लटकते बिजली के तारों के कारण बार-बार रुकावट आती थी। इसलिए पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तारों को रास्ते से हटाने के लिए लकड़ी के अधिक लंबे खंभों की व्यवस्था की और रथ के साथ चलना भी शुरू कर दिया। वैसे, ये सभी वास्तव में छोटी समस्याएँ थीं, जो मेरी श्रीराम रथयात्रा की सुंदर व सुखद स्मृतियों का एक लघुतर भाग है।

यात्रा के सबसे मर्मस्पर्शी क्षण गाँवों और दूरदराज की बस्तियों में अनुभव हुए, जहाँ ग्रामीणों के चेहरे पर भक्तिभाव और श्रद्धा शहरों की तुलना में अधिक थी। उनमें से कई या तो अशिक्षित थे या नाममात्र के शिक्षित थे। उन्होंने श्रीराम के बारे में पढ़कर नहीं जाना था। यह ऐसा था मानो इनका ज्ञान उनके माध्यम से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में प्रवाहित हो रहा हो, लोककथाओं या मौखिक रूप से प्रसारित हो रहा हो, जैसा कि आमतौर पर भारतीय समाज में होता है। कई स्थानों पर, मुझे कोई ऐसा ग्रामीण व्यक्ति मिल जाता था, जो बिना कोई नारा लगाए चुपचाप आता, रथ के सामने पूजा करता, मुझे अभिवादन करता और चला जाता। मैं वास्तव में इस तरह के अनुभवों से अभिभूत था, क्योंकि इससे मुझे प्रत्यक्ष रूप से पता चला कि भारतीय लोगों के जीवन में धार्मिकता की जड़ें कितनी गहरी जमी हुई हैं। यह रथयात्रा ही थी, जिसने मुझे अनुभूति कराई कि यदि मुझे धार्मिक बातों के माध्यम से राष्ट्रवाद का संदेश देना है, तो मैं इसे अधिक प्रभावी ढंग से और व्यापक जनसमूह तक पहुँचा पाऊँगा।

मेरे भाषण, जो अधिकतर वाहन पर विशेष रूप से बनाए गए ऊँचे मंच से दिए जाते थे, लगभग पाँच मिनट के ही होते थे, क्योंकि मुझे हर दिन सड़क किनारे ऐसे लगभग बीस से पच्चीस स्वागत समारोहों को संबोधित करना पड़ता था। अधिकांश कस्बों और शहरों में, मुझे नीचे उतरकर सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करना पड़ता था, जिसमें हजारों लोग शामिल होते थे।

मैं यात्रा के उद्देश्य और उन परिस्थितियों के बारे में बताता था, जिन्होंने भाजपा को रामजन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए विवश किया था। हालाँकि रथयात्रा पर लोगों की प्रतिक्रिया मुख्य रूप से धार्मिक थी, जबकि मेरे भाषणों का बल राष्ट्रवाद पर था, क्योंकि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि श्रीराम मंदिर का मुद्दा आंतरिक रूप से हमारी भारतीयता की भावना से जुड़ा है।

मेरे भाषणों में बार-बार दोहराया जाने वाला एक विषय यह था कि धार्मिक आस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण की शक्ति सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र-निर्माण में अहम योगदान दे सकती है। मैंने हमारे मुस्लिम भाइयों को स्वतंत्र भारत में समानता प्राप्त होने पर बल दिया, जो भारत के ईश्वर शासित न होने और धर्मनिरपेक्ष बने रहने के कारण संभव हुआ। मैंने कहा, यह मुख्यत: हिंदू धर्म के सदियों पुराने धर्मनिरपेक्ष लोकाचार के कारण था। मैंने मुस्लिम समुदाय के नेताओं से अयोध्या पर हिंदू भावनाओं का सम्मान करने की भी अपील की।

मेरी यात्रा 24 अक्तूबर, 1990 को उत्तर प्रदेश के देवरिया में प्रवेश करने वाली थी। हालांकि, जैसा कि मैंने अनुमान लगाया था, इसे 23 अक्तूबर को बिहार के समस्तीपुर में रोक दिया गया और श्री लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली जनता दल सरकार द्वारा मुझे गिरफ्तार कर लिया गया। मुझे बिहार-बंगाल सीमा पर दुमका के पास मसानजोर नामक स्थान पर सिंचाई विभाग के एक निरीक्षण बंगले में ले जाया गया। इस कार्रवाई पर पूरे देश में आक्रोश और बड़ी संख्या में स्वत: स्फूर्त विरोध प्रदर्शन किए गए।

यह वह समय था, जब मोबाइल फोन नहीं थे। मेरी गिरफ्तारी की खबर मेरी बेटी प्रतिभा तक बड़े दिलचस्प ढंग से पहुँची, जो उस समय कोलकाता में थी। वह अपने घर वापस जाने के लिए टैक्सी की प्रतीक्षा में थी, तभी एक टैक्सी ड्राइवर ने उनसे कहा कि वह झटपट सवार हो जाएँ। जब प्रतिभा ने उनसे पूछा कि वह ऐसा क्यों कह रहे हैं, तो टैक्सी ड्राइवर ने उन्हें बताया कि आडवाणी %बाबा% को गिरफ्तार कर लिया गया है और लोगों को डर था कि शहर में दंगे हो सकते हैं! दो दिन बाद, प्रतिभा ने लालू प्रसाद यादवजी से बात की, जिन्होंने मेरी हिरासत के दौरान उन्हें मसानजोर में मुझसे मिलने आने में सहायता की। पाँच सप्ताह हिरासत में बिताने के बाद मुझे रिहा कर दिया गया। इस प्रकार मेरी श्रीराम रथयात्रा समाप्त हुई, जो वास्तव में मेरे राजनीतिक जीवन का एक अद्भुत अविस्मरणीय उत्साहवर्धक प्रसंग था। मुझे प्रसन्नता हुई कि यात्रा ने अपने अनगिनत प्रतिभागियों की आकांक्षाओं, ऊर्जा और उत्साह को अपूर्व विस्तार दिया।

श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान शुरू हुई एक महत्त्वपूर्ण बहस वास्तविक धर्मनिरपेक्षता और छद्म धर्मनिरपेक्षता के बीच का अंतर थी। एक ओर, आंदोलन को व्यापक जन समर्थन प्राप्त था, वहीं दूसरी ओर, अधिकांश राजनीतिक दल इस आंदोलन का समर्थन करने से इसलिए कतरा रहे थे, क्योंकि उन्हें मुस्लिम वोट खोने का डर था। वे वोट बैंक की राजनीति के लालच में आ गए और उसे धर्मनिरपेक्षता के नाम पर उचित ठहराने लगे।

इस प्रकार, अयोध्या मुद्दा, जिसका प्राथमिक उद्देश्य श्री रामजन्मभूमि मंदिर का पुनर्निर्माण था, छद्म धर्मनिरपेक्षता के हमले के कारण धर्मनिरपेक्षता के वास्तविक अर्थ को पुन:स्थापित करने का प्रतीक भी बन गया।

मेरी श्रीराम रथयात्रा को 33 वर्ष हो गए हैं। तब से बहुत कुछ घटित हुआ, इसमें वो कानूनी लड़ाई भी शामिल है, जिसमें मुझ पर तथा विश्व हिंदू परिषद्, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के मेरे कई सहयोगियों पर मुकदमा चलाया गया। फिर लगभग तीन दशकों के बाद, 30 सितंबर, 2020 को, सीबीआई की विशेष अदालत ने मुझे और अन्य लोगों को बरी कर दिया और सभी आरोपों से मुक्त किया। यह ध्यान देने योग्य है कि एक तरफ जहाँ लंबी कानूनी लड़ाई चल रही थी, वहीं दूसरी तरफ, न केवल मैं, बल्कि भाजपा और संघ परिवार का प्रत्येक कार्यकर्ता भारतीयों की आत्मा को जागृत करने के कार्य में जुटा रहा ताकि रामलला को अपने वास्तविक निवासस्थान पर विराजमान करने का सपना साकार हो सके।

मुझे बहुत प्रसन्नता है कि नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट के निर्णायक फैसले के कारण श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण का पथ शांति के वातावरण में प्रशस्त हुआ है। अब जब भव्य श्रीराम मंदिर अपने निर्माण के अंतिम चरण में है, तो मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार, सभी संगठनों, विशेष रूप से विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, अनगिनत रथ यात्रा के सहयोगियों, संतों, नेताओं, कारसेवको और भारत तथा दुनिया के सभी लोगों के प्रति गहरी कृतज्ञता की भावना से भर गया हूँ, जिन्होंने कई दशकों तक अयोध्या आंदोलन में बहुमूल्य योगदान और बलिदान दिया। आज मुझे दो व्यक्तियों की बहुत याद आ रही है। पहले व्यक्ति हैं स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी, जो मेरे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं, राजनीतिक और व्यक्तिगत, दोनों ही तौर से और जिनके साथ मेरा एक अटूट और सदाकालीन विश्वास, स्नेह और आदर का संबंध था। दूसरी व्यक्ति हैं मेरी दिवंगत पत्नी कमला, जो मेरे जीवन के लिए स्थिरता का मुख्य आधार रहीं और न केवल श्री राम रथ यात्रा के दौरान, बल्कि मेरे लंबे समय के सामाजिक और राजनीतिक जीवन में अद्वितीय शक्ति का स्रोत बनी रहीं।

आगामी 22 जनवरी, 2024 के विशेष अवसर से पहले पूरे देश का वातावरण सचमुच राममय हो गया है। यह मेरे लिए संतुष्टि का क्षण है, न केवल संघ और भाजपा के एक गौरवान्वित सदस्य के रूप में, बल्कि हमारी गौरवशाली मातृभूमि के एक गर्वित नागरिक के रूप में भी। सभी देशवासियों को मेरी अनंत शुभकामनाएँ! जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे, तो वह हमारे महान भारतवर्ष के प्रत्येक नागरिक का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह मेरा अटल विश्वास है और मेरी आशा भी कि यह मंदिर सभी भारतीयों को श्रीराम के गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। मैं यह भी प्रार्थना करता हूँ कि हमारा महान देश न केवल वैश्विक शक्ति बनने के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता रहे, बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में अपने आप को गरिमा और मर्यादा के एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करें। मैं श्रीराम के चरणकमलों में शीश झुकाता हूँ। वह अपना आशीर्वाद सभी पर बनाये रखें।

कांग्रेस को पलीता लगाने की वामपंथी चाल है निमंत्रण ठुकरा देना

आलोक कुमार

कांग्रेस पार्टी ने अयोध्या के राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा नहीं लेने को जिस तरह से अस्वीकार किया है उसे लेकर पार्टी के भीतर ही बवाल मच गया है। कांग्रेस पार्टी के राज्य व जिला इकाइयों के पद से इस्तीफा देने वालों का तांता लगा हुआ है। इस विकट फ़ैसले से पार्टी के कर्णधारों ने कांग्रेस को कठिन दौर में धकेल दिया है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम जैसे मुखर नेता की आपत्ति है कि समारोह में न जाना था न जाते। जिसे जो राजनीतिक संदेश पहुंचाना था चला जाता। लेकिन प्रेस कांफ्रेंस के जरिए अस्वीकार का बयान जारी करना चुनावी मौसम में पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

10 जनवरी को मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने आमंत्रण अस्वीकार का लिखित बयान जारी करते हुए बताया, पिछले महीने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का निमंत्रण मिला। भगवान राम की पूजा-अर्चना करोड़ों भारतीय करते हैं। धर्म मनुष्य का व्यक्तिगत विषय होता आया है, लेकिन भाजपा और आरएसएस ने वर्षों से अयोध्या में राम मंदिर को एक राजनीतिक परियोजना बना दिया है।

स्पष्ट है कि एक अर्द्धनिर्मित मंदिर का उद्घाटन केवल चुनावी लाभ उठाने के लिए ही किया जा रहा है। 2019 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को स्वीकार करते हुए और लोगों की आस्था के सम्मान में मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और

अधीर रंजन चौधरी भाजपा व आरएसएस के इस आयोजन के निमंत्रण को ससम्मान अस्वीकार करते हैं।

यह दीगर बात है कि केंद्रीय नेतृत्व के इस बयान से पहले कांग्रेस पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई ने अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में 15 जनवरी को अयोध्या जाने का निर्णय कर रखा है। वो अपने निर्णय पर अमल करने पर अमादा हैं। कांग्रेस के प्रदेश इकाई के नेता मानते हैं कि अगर ये नहीं होता है तो सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीटों वाले इस राज्य में पहले से खस्ताहाल पार्टी के हश्र का अंदाजा लगाना मुश्किल होता।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण न्यास के प्रयास से समूचा देश राममय हुआ पड़ा है। वातावरण में राम नाम घुल गया है। प्रधानमंत्री अपने एक्स हैंडल से हर सुबह किसी न किसी गायक के राम भजन को प्रमोट कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने 22 जनवरी से आगामी लोकसभा चुनाव तक हर दिन एक लाख श्रद्धालुओं का दर्शन सुनिश्चित करने के लिए कमेटी बना दी है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी की ओर से उद्घाटन समारोह से किनारा करने का फैसला चुनावी नुकसान वाला है।

कांग्रेस के इस विकट फैसले के पीछे का तर्क यह है कि कांग्रेस पार्टी को अल्पसंख्यक वोटों की परवाह है। इसके लिए सेकुलर छवि बचाना जरूरी है। लेकिन फैसले पर दुखी कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि राममंदिर के विरोध से अल्पसंख्यकों को आकर्षित होना होगा तो वो समाजवादी पार्टी को प्राथमिकता देंगे। 1990 में मुलायम सिंह यादव की सपा सरकार ने कारसेवकों पर नृशंस गोलीबारी कर खुद को उनकी नजरों में हीरो बना रखा है।

लेकिन समारोह के आमंत्रण को अस्वीकार करने का लिखित बयान जारी करके केन्द्रीय नेतृत्व ने पार्टी की मध्यमार्गी छवि को ही तार तार किया है। ऐसा नहीं है कि मंदिर समर्थक सभी लोग बीजेपी समर्थक या अतिवादी हैं। ऐसा होता तो कांग्रेस नेताओं की ओर से कभी यह दलील नहीं दी जाती कि विवादित बाबरी मस्जिद के प्रांगण में रामलला की मूर्ति विराजित होने का काम पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में हुआ था। राजीव गांधी के कार्यकाल में पूजा अर्चना के लिए ताले में बंद रामलला के मंदिर को खोला गया था। ऐसे में कांग्रेस पार्टी का नया फैसला उन सबके लिए अपच हो रहा है जो देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को मध्यमार्गी विचारधारा की पोषक मानते रहे। इसी मध्यमार्ग के बूते अगले आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी के मज़बूत विपक्षी पार्टी के तौर पर उभरने की परिकल्पना कर रहे थे।

कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को ऐसे फैसले के लिए आखिर किस कारण से राजी किया गया यह बहुतों के लिए पहेली है। लेकिन पार्टी के कामकाज पर अंदरखाने की जानकारी रखने वालों की राय साफ है। कांग्रेस पार्टी पर वामपंथी विचारधारा के नेताओं का असर बढ़ा है। जेएनयू में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई से लोहा लेकर राजनीति में स्थापित होने वाले कन्हैया कुमार जैसे कई वामपंथी नेता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की पसंद साबित होने में सफल रहे हैं।

इसीलिए रणदीप सुरजेवाला की जगह जयराम रमेश को प्रचार प्रभारी की कमान सौंपी गई है। पांच साल पहले राहुल गांधी को मंदिरों के दर्शन से चमकाने की कोशिश को बड़ी भूल के तौर पर देखा जाने लगा है। स्वातंन्त्र्य वीर सावरकर और आरएसएस के विरोध में सीधी बयानबाजी का ही यह विस्तार है कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण को ही %ससम्मान अस्वीकार% कर दिया जाए।

कई कांग्रेस दिग्गजों को आश्चर्य में डुबोने वाला यह फैसला तब लिया गया है जब इंडिया गठबंधन के कई दल मध्यमार्गी होने का दंभ भरते हुए अयोध्या के समारोह में शामिल होने की हामी भर चुके हैं। वैश्विक बाजारवाद के बढ़ते असर ने जहां राजनीति पर वामपंथी सोच की कमर तोड़ रखी है। सोवियत रूस के विघटन के बाद रूस से ही नहीं चीन से भी लाल रंग उतर गया है। भारत के बंगाल में ममता बनर्जी के उदय के बाद से कम्युनिस्ट आंदोलन हाशिए पर सिमट गया है। केरल में कम्युनिस्टों के आखिरी किले को कांग्रेस पार्टी से ही चुनौती मिलनी थी। ऐसे में कांग्रेस पार्टी का ही वामपंथी नेताओं के असर में फंसकर प्रतिक्रियावादी होना कांग्रेस से कम्युनिस्ट पार्टी हो जाने का संकेत है।

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए निश्चय ही यह एक चौंकानेवाला फैसला है। कांग्रेस के इस फैसले से यह भी पता चलता है कि कांग्रेस में अब उसके समर्थकों और पार्टी वर्कर की बजाय उन कम्युनिस्ट रणनीतिकारों की सुनी जाती है जो कांग्रेसी नेतृत्व को सलाह देते रहते हैं। वही हैं जो इस फैसले का बचाव भी कर रहे हैं।

मायावती के सामने खुद और बसपा के रसूख की चिंता

शशिधर पाठक

चाहे लोकसभा के चुनाव हों या फिर विधानसभा के चुनाव, तारीख नजदीक आने के कुछ महीने पहले मायावती के सचिवालय में सरगर्मी बहुत बढ़ जाती थी। अब वो बात नहीं है। बसपा के एक पुराने नेता कहते हैं कि टिकट मांगने वालों की लाइन तो तभी लगती है, जब राजनीति का बाजार चढ़ा हो। इस समय मायावती के सचिवालय में मेवा लाल गौतम जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। पार्टी महासचिव भी हैं। मेवा लाल गौतम हर रोज बसपा प्रमुख का सोशल मीडिया पर संदेश प्रसारित कर देते हैं। बसपा के एक मौजूदा सांसद को भी लोकसभा चुनाव में पार्टी के भावी रणनीति का इंतजार है और चिंता भी। सूत्र का कहना है कि 2019 में चुनाव जीत गए थे, लेकिन 2024 में चुनाव लड़ने का आत्मबल नहीं बन पा रहा है। पूर्वांचल के सांसद का कहना है कि केवल बसपा के मूल वोटों के बैंक से लोकसभा चुनाव जीतना मुश्किल है। इसके लिए बसपा को तीन-चार प्रतिशत अन्य बिरादरी के मतों की जरूरत पड़ती है। 15 जनवरी को बसपा प्रमुख मायावती का जन्मदिन है। मुझे भी इस दिन का इंतजार है। लोकसभा चुनाव 2019 में बसपा को उ.प्र. में 19.3 प्रतिशत वोट मिले थे। पूरे देश में यह वोट प्रतिशत 3.67 प्रतिशत (2014 के लोकसभा चुनाव से 0.53 प्रतिशत कम वोट) था। यानी राज्य के तीसरे नंबर की पार्टी थी। 2022 में पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ा और सिर्फ एक सीट जीत सकी थी। उ.प्र. विधान परिषद में बसपा का एक सदस्य है और उसका भी कार्यकाल समाप्त हो रहा है। चुनावी गणित और प्रचार अभियान पर काम कर रहे प्रशांत कुमार कहते हैं कि मायावती के पास अब आखिर बचा क्या है? प्रशांत कहते हैं कि बसपा इस बार लोकसभा चुनाव में अगर अकेले उतरती हैं तो उनके सीटें जीत पाने की संभावना 2014 के चुनाव जैसी है। बहुत हद तक संभव है कि उसके वोटों में भी 1-1.5 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिले। बसपा के पास दूसरी चुनौती भी है। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपने उत्तराधिकारी और मुख्य भूमिका में लांच किया है। प्रशांत कुमार कहते हैं कि बसपा ही एकमात्र पार्टी है जिसके पास अपना वोट गठबंधन के दलों के पास स्थानांतरित करने की क्षमता है। दूसरे दलों में यह क्षमता काफी कम है। इसलिए उ.प्र. के राजनीतिक दल उससे गठबंधन करने के इच्छुक रहते हैं। प्रशांत कहते हैं कि यदि दूसरे दलों या जातियों के मतदाताओं का वोट बसपा के साथ जुड़ जाए तो उसके सीटों की संख्या ठीक ठाक बढ़ जाती है। इसलिए अब मायावती की पार्टी को भी उ.प्र. में गठबंधन की खास जरूरत बनती जा रही है। सुशील कुमार दूबे समाजवादी पार्टी के सचिव हैं। जमीनी नेता हैं। सुशील कुमार दूबे कहते हैं कि गठबंधन करना या न करना मायावती और उनकी पार्टी के विवेक पर निर्भर है। हमारे अध्यक्ष अखिलेश यादव मायावती का सम्मान करते हैं। कल उन्होंने अपनी राय रख दी है। दूबे कहते हैं कि इंडिया गठबंधन में मायावती आना चाहें तो इसमें बुरा क्या है? इससे तो विपक्ष की ताकत ही बढ़ेगी। इसलिए बसपा का स्वागत है। संजय गांधी के जमाने के कांग्रेसी प्रदीप पाठक कहते हैं कि उ.प्र. के राजनीतिक गणित को समझने की कोशिश कीजिए। बसपा के भाजपा के साथ जाने की संभावना न के बराबर है। भाजपा उ.प्र. में 2024 में 70 सीटों को जीतने का सपना देख रही है। पूरे देश में उसने 400 से अधिक लोकसभा सीटों का लक्ष्य रखा है। इसमें बसपा को कहां जगह मिलने वाली है। इसलिए बसपा भी नहीं चाहेगी वह लगातार कमजोर होती चली जाए। पाठक कहते हैं कि बसपा में संजीवनी लाने का एकमात्र तरीका यही है कि वह भी इंडिया गठबंधन में शामिल हो।

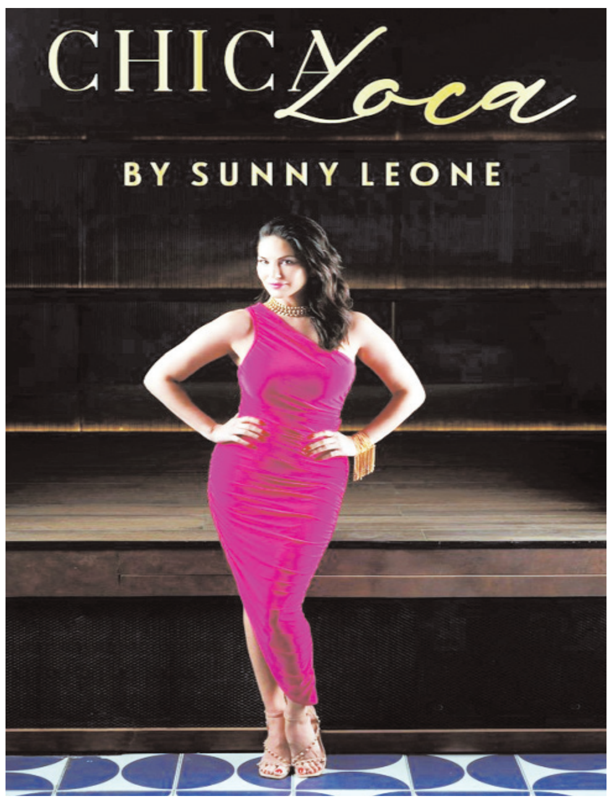

सनी 22 को नोएडा में लॉन्च करेंगी अपना फ़र्स्ट रेस्टॉरेंट 'चिका लोका'

अपने पहले हॉस्पिटैलिटी वेंचर के बारे में बात करते हुए, एक्ट्रेस-एंटरप्रेन्योर सनी लियोनी ने कहा, चिका लोका एक जगह से कहीं ज़्यादा है; यह मेरे व्यक्तित्व का विस्तार है। यह वह जगह है, जहां लोग खुद को ग्लैमर में डुबो सकते हैं और पूरी तरह से कम्फर्टेबल भी महसूस कर सकते हैं। मैं देखना चाहती हूं कि गेस्ट अपने फेवरेट आर्टिस्ट और कॉकटेल को एन्जॉय करते हुए मेरे लोका वर्ल्ड का असली टेस्ट अनुभव करें ।7,000 वर्ग फुट में फैला, शेफ वैभव भार्गव द्वारा क्यूरेट फ्लैगशिप आउटलेट, इंडियन, एशियन, मैक्सिकन और इटेलियन क्विजीन के मिश्रण के साथ ग्लोबल फ्लेवर्स ऑफर करता है। इसके साथ ही 'पोशंस बाय सनी लियोनी' उनके बॉलीवुड और ट्रेवल से प्रेरित यूनिक कॉकटेल पेश करता है। सनी लियोनी के चिका लोका में स्टेज, बार और टेरेस के साथ एक शानदार वेन्यू है, जो बहुत ही सुंदर व्यू देता है। गोवा, हैदराबाद और मुंबई तक एक्सपैंड करने की योजना के साथ, सनी का गैस्ट्रोनॉमिक वेंचर 22 जनवरी को नोएडा के गुलशन वन 29 में खुलेगा।

15 को लॉन्च होगा एरियल एक्शन ड्रामा फाइटर

सिद्धार्थ आनंद की फाइटर निस्संदेह 2024 की सबसे प्रतीक्षित फिल्म है । जहां टीज़र और गानों ने दर्शकों को फाइटर की दुनिया से रूबरू कराया है, वहीं मेकर्स अब फिल्म के ट्रेलर की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जिसका इंतजार हर किसी को बेसब्री से है । ऐसे में ये खबर आपके लिए है क्योंकि भारत के सबसे बड़े एरियल एक्शन एंटरटेनर की एक छोटी सी झलक देते हुए, निर्माताओं ने 15 जनवरी 2024 को ट्रेलर लॉन्च की घोषणा करते हुए एक शानदार क्रिएटिव जारी किया है । फिल्म का मच अवेटेड ट्रेलर निश्चित रूप से फाइटर के प्रति बढ़ते उत्साह को बढ़ाने वाला है। एक ऐसी कहानी पेश करते हुए जो हमारे आईएएफ अधिकारियों की अटल भावना को सलाम करती है जो हमारे आसमान को सुरक्षित रखते हैं और देश की रक्षा करते हैं, यह निश्चित रूप से एक पावर-पैक एक्शन फिल्म होने जा रही है जिसे बड़े पर्दे पर पहले कभी नहीं देखा गया है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में और वायकॉम18 स्टूडियोज और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से प्रस्तुत फाइटर एक सिनेमाई अनुभव है । यह फिल्म दिल दहला देने वाले एक्शन सीन्स को देशभक्ति के उत्साह के साथ सहजता से पेश करती है, जो एक ऐसे गहन अनुभव का वादा करती है जो दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगा । तो फाइटर की दुनिया में खो जाने के लिए तैयार हो जाइए जो 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

दिग्गज शास्त्रीय गायिका प्रभा अत्रे का कार्डियक अरेस्ट के हुआ कारण निधन

दिग्गज शास्त्रीय गायिका प्रभा अत्रे का 91 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया। आईएएनएस ने पारिवारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका प्रभा अत्रे का शनिवार को पुणे के एक निजी अस्पताल में संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। प्रभा 91 वर्ष की थीं और उन्होंने सांस लेने में कुछ समस्याओं की शिकायत की थी, लेकिन आज सुबह एक निजी अस्पताल ले जाते समय कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई।

कैरियर, प्रतिष्ठित पुरस्कार और उपलब्धियाँ- उन्हें भारत सरकार द्वारा तीनों प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिसमें 1990 में पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण और 2022 में पद्म भूषण शामिल हैं। इनके अलावा, अनुभवी गायिका को संगीत साधना सहित कई अन्य राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं। रत्न पुरस्कार, हाफ़िज़ अली खान पुरस्कार और ग्लोबल एक्शन क्लब इंटरनेशनल द्वारा अभिनंदन सहित कई अन्य पुरस्कार उनके नाम थे।

प्रभा किराना घराना संगीत विद्यालय की प्रतिपादक थीं, ख्याल, ठुमरी, ग़ज़ल, दादरी, भजन और नाट्यसंगीत की प्रस्तुति में उत्कृष्ट थीं। प्रभा ने संगीत रचना पर स्वरांगिनी और स्वरंजनी जैसी किताबें भी लिखी थीं। इतना ही नहीं, उन्हें अपूर्व कल्याण, मधुर कौंस, दरबारी कौंस, पटदीप-मल्हार, शिव काली, तिलंग-भैरव और रवि भैरव जैसे नए रागों का आविष्कार करने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने नीदरलैंड के एक शीर्ष कलाकार द्वारा जैज़ के लिए अनुकूलित एक पूर्ण-लंबाई नृत्य गायन नृत्य प्रभा के लिए संगीत तैयार किया, और संगीत नाटक या संगीतिका के लिए भी संगीत तैयार किया। उन्होंने अंतः स्वर नामक कविता की एक पुस्तक भी लिखी है, जो हिंदी, मराठी और अंग्रेजी में प्रकाशित हुई थी। वह ऑल इंडिया रेडियो में पूर्व सहायक निर्माता रह चुकी हैं। गायन के अलावा, उन्होंने कथक नृत्य शैली में भी औपचारिक प्रशिक्षण लिया है।

तेजा सज्जा की हनुमान के ओपनिंग ने दिया अगली कांतारा बनने के संकेत

विजय-कैफ की मैरी क्रिसमस की बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत

12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी विजय सेतुपति और कैटरीना कैफ़ की मैरी क्रिसमस को क्रिटिक्स से कमोबेश अच्छे ही रिव्यूज मिले, साथ ही दर्शकों से भी फ़िल्म को प्यार मिल रहा है । लेकिन ये सब देखते हुए फ़िल्म की बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग उतनी धमाकेदार नहीं हुई । लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि, पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ के चलते मैरी क्रिसमस आने वाले दिनों में, ख़ासकर अपने फ़र्स्ट वीकेंड में अच्छी कमाई कर सकती है ।

विजय सेतुपति और कैटरीना कैफ़ की मैरी क्रिसमस ने अपनी रिलीज के पहले दिन 2.30 करोड़ रू की कमाई कर अपनी शुरुआत की । दिलचस्प बात ये है कि, श्रीराम राघवन की पिछली हिट फ़िल्म अंधाधुन का ओपनिंग डे कलेक्शन भी 2.70 करोड़ रू रहा था । मैरी क्रिसमस को हनुमान, गुंटूर कारम, अयलान और कैप्टन मिलर जैसी फ़िल्मों से बॉक्स ऑफिस मुक़ाबला करना पड़ रहा है । हालाँकि हर फ़िल्म की शैली अलग-अलग है इसलिए कहा जा रहा है कि, फ़र्स्ट वीकेंड में मैरी क्रिसमस के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में उछाल देखने को मिला सकता है । वहीं निर्देशक प्रशांत वर्मा की सुपरहीरो ड्रामा फ़िल्म हनुमान भी 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ हो चुकी है । और दिलचस्प बात ये है कि, कम बजट में बनी तेजा सज्जा की फ़िल्म हनु मान को अपनी रिलीज के पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पांस मिल रहा है । प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की पहली फिल्म हनुमान की कहानी हनुमान की जन्मभूमि के नाम से प्रचलित अंजनाद्रि गांव की है । फिल्म की कहानी में ये गांव काल्पनिक है । लेकिन, इस गांव के एक लड़के को एक दिन रुद्रमणि मिल जाती है । ये रूद्रमणि हनुमान के उस रक्त से बनी है जो उन पर इंद्र के वज्र के प्रहार के समय निकला था ।

भले ही हनुमान स्टार पावर और स्केल के मामले में अन्य संक्रांति रिलीज जितनी बड़ी नहीं है लेकिन फिल्म के मायथलॉजिकल कनेक्शन के कारण दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर काफी बज है । इसलिए रिलीज के पहले ही दिन फ़िल्म का पैन इंडिया कलेक्शन 10 करोड़ रू से ज्यादा रहा, वहीं हनुमान के हिंदी वर्जन ने 2.15 करोड़ रू की कमाई की । हनुमान की वंडरफुल स्टार्ट को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि फ़िल्म कांतारा के नक़्शेकदम पर चल सकती है और बॉक्स ऑफिस पर एक स्लीपर हिट बनकर उभरने की क्षमता रखती है ।

एयरपोर्ट पर घंटों पैसेंजर्स संग कैद बिना पानी-वॉशरूम के हाल-बेहाल

एयरलाइन पर फूटा राधिका आप्टे का गुस्सा

एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने एक पोस्ट शेयर किया है और बताया कि वह अपनी फ्लाइट के देर होने की वजह से फंस गई हैं। बाकी के यात्रियों के साथ वो एक एयरपोर्ट पर एयरोब्रिज के अंदर बंद हो गई थीं। शनिवार को इंस्टाग्राम पर राधिका ने अपना एक वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने कहा कि उनकी फ्लाइट में देरी हुई, तो सेक्योरिटी ने दरवाज़ा नहीं खोला और एयरलाइन स्टाफ को कुछ भी मालूम नहीं था। राधिका ने एक क्लिप शेयर की जिसमें कई लोग एक बंद कांच के दरवाजे के पीछे दिखाई दे रहे थे। कुछ लोगों ने सुरक्षा कर्मचारियों से भी बात की। कुछ फोटोज में, वह अपनी टीम के साथ फर्श पर बैठी नजर आईं। फोटोज को शेयर करते हुए राधिका आप्टे ने लिखा, मुझे यह पोस्ट करना पड़ा! आज सुबह मेरी 8-30 बजे की फ्लाइट थी। अभी 10-50 हो गए हैं और फ्लाइट अभी तक बोर्ड नहीं हुई है। लेकिन कहा जा रहा है कि हम बोर्डिंग कर रहे हैं और सभी यात्रियों को उतार दिया। एयरोब्रिज में बंद कर दिया! छोटे बच्चों, बुजुर्गों के साथ यात्रियों को एक घंटे से अधिक समय से बंद कर दिया गया है। सेक्योरिटी ने दरवाजे नहीं खोले। कर्मचारियों को बिल्कुल भी कुछ पता नहीं है।

राधिका ने आगे लिखा- जाहिर तौर पर, उनकी टीम फ्लाइट पर नहीं चढ़ी है। पायलेट के लिए कुछ बदलाव किए गए थे और वे अभी भी नहीं आए हैं, लेकिन उन्हें पता नहीं है कि वे कब आएंगे, इसलिए कोई नहीं जानता कि वे कितने समय तक अंदर बंद रहेंगे। मैंने बेहद बेवकूफ लेडी स्टाफ से बात की, जो कहती रही कि कोई समस्या नहीं है और कोई देरी नहीं हो रही है। अब मैं अंदर बंद हूं और उन्होंने हमें बताया कि हम कम से कम यहीं रहेंगे दोपहर 12 बजे तक। न पानी, न वॉशरूम। मज़ेदार राइड के लिए धन्यवाद।

सैलून के बाहर मिस्ट्री मैन के साथ दिखी कंगना

बॉलीवुड तड़का टीम. 36 वर्षीय एक्ट्रेस कंगना रनौत ने अभी तक शादी नहीं रचाई है और न ही उन्होंने किसी के साथ रिलेशन में होने का खुलासा किया है। अब हाल ही में जब कंगना को किसी मिस्ट्री मैन के साथ देखा गया तो उनके लिंकअप की खबरें सोशल मीडिया पर तूल पकड़ने लगीं। बीती रात कंगना को किसी मिस्ट्री मैन के साथ हाथों में हाथ डाले स्पॉट किया गया, जिसकी तस्वीरों को लेकर कंगना खूब सुर्खियां बटोर रही हैं।

दरअसल, बॉलीवुड क्वीन कंगना को बीती रात मुंबई में एक सैलून से बाहर निकलते देखा गया। इस दौरान वह मिस्ट्री मैन का कसकर हाथ थामे नजर आईं। इतना ही नहीं, इस मौके वह खूब ब्लश करती भी दिखीं। चेहरे पर काला चश्मा लगाए स्काई ब्लू कलर की ड्रेस में वह बेहद गॉर्जियस दिखीं। जबकि, उनके साथ नजर आया ये मिस्ट्री मैन एक विदेशी था। सैलून के बाहर दोनों को इस अंदाज में देख लोग हैरान रह गए और सोशल मीडिया पर उनके लिंकअप के कयास लगने लगे।

इस मिस्ट्री मैन के साथ कंगना की जोड़ी बिल्कुल परफेक्ट लग रही है। हालांकि, यह एक्ट्रेस ही बता सकती है कि उनके साथ नजर आ रहा शख्स कौन है।

वहीं, काम की बात करें तो कंगना रनौत को आखिरी बार फिल्म तेजस में देखा गया था, जो सुपरफ्लॉप साबित हुई थी। वहीं अब एक्ट्रेस जल्द ही फिल्म इमरजेंसी में नजर आएंगी।

परवीन बाबी की तरह तैयार हुई माहिरा खान, वीडियो किया शेयर

पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान ने दिवंगत बॉलीवुड स्टार परवीन बाबी को श्रद्धांजलि अर्पित की और बताया कि कैसे वह दिग्गज एक्ट्रेस के टाइम मैगजीन कवर से प्रभावित होकर उनकी फिल्में देखने चली गईं थीं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शूटिंग से कई वीडियो और तस्वीरें शेयर की। वह एक शिमरी रानी पिंक साड़ी में नजर आ रही हैं और उनका हेयरकट दिवंगत स्टार जैसा है। उन्होंने साझा किया कि यह उनके लिए मुश्किल था क्योंकि वह अभी भी पैर में कई फ्रैक्चर से उबर रही हैं।

इंस्टाग्राम स्टोरी में पाकिस्तानी स्टार का एक इंटरव्यू क्लिप भी है, जिसमें वह इस बारे में बात करती नजर आ रही हैं कि वह परवीन बाबी से कैसे प्रेरित हुईं। उन्होंने कहा, मुझे वह दिन याद है, जब मैंने टाइम मैगजीन का कवर देखा और उस पर खूबसूरत परवीन बाबी थीं। उस कवर के चलते ही मैंने वास्तव में उनकी फिल्में देखीं। उनके कुछ गाने मुझे बेहद पसंद हैं। वह बहुत सुंदर और स्टाइल आइकन थी। एक अन्य वीडियो में, वह सिल्वर कुर्ता आउटफिट में एक बड़ी स्क्रीन के सामने खड़ी दिखाई दे रही हैं, जिस पर परवीन बाबी के गाने बज रहे हैं। उन्होंने कहा- यह एक टफ शूट था, मेरे पैर की चोट के बाद मेरा पहला शूट। मैं यादा हिल नहीं सकती थी और मुझे इससे नफरत हो रही थी। टीम बहुत प्यार करने वाली और देखभाल करने वाली थी। शेयर किए गए वीडियो में माहिरा परवीन बाबी की फिल्म नमक हलाल का गाना जवानी जानेमन हसीन दिलरुबा की कुछ लाइनें भी गाती नजर आईं।

फतेह साइबर अपराध पीड़ितों को समर्पित : सूद

अपकमिंग फिल्म फतेह के लिए निर्देशक की भूमिका में कदम रखने वाले सोनू सूद ने इसे उन युवाओं को समर्पित किया, जो विभिन्न स्तरों पर साइबर अपराध का शिकार हुए हैं।

वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित इस फिल्म का उद्देश्य मनोरंजन के साथ-साथ डिजिटल युग में साइबर खतरों पर प्रकाश डालना और इसे सरल सुरक्षा उपायों से कैसे टाला जा सकता है, को बताना है।

मंगलवार को, सोनू ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग से पर्दे के पीछे की तस्वीरें साझा की।

इस पोस्ट के कैप्शन में एक्टर ने लिखा, फतेह मेरे लिए स्पेशल फिल्म रही है। यह उन युवाओं को समर्पित है जो विभिन्न स्तरों पर साइबर अपराध का शिकार हुए हैं। गेट रेडी।

सोनू ने शानदार शूटिंग लोकेशन्स पर जाकर और हॉलीवुड स्टंट कलाकार ली व्हिटेकर के साथ सहयोग करके, इस प्रोजेक्ट के लिए कड़ी मेहनत की है।

फतेह जी स्टूडियोज़ और सोनू की प्रोडक्शन कंपनी, शक्ति सागर प्रोडक्शंस द्वारा सह-निर्मित है।

फिल्म में जैकलीन फर्नांडीज भी हैं।

जब रेखा ने अक्षय कुमार की हीरोइन आरती को जड़ दिया था चांटा

फिल्म तुम से अच्छा कौन है से बॉलीवुड में कदम रखने वाली एक्ट्रेस आरती छाबड़िया ने अपने छोटे से करियर में कुछ गिनी चुनी हिट फिल्में की लेकिन फिर वह कहीं गायब हो गईं. आरती अक्षय कुमार जैसे सुपरस्टार के साथ फिल्म आवारा पागल दीवाना और हे बेबी जैसी फिल्मों में नजर आईं. फिल्म 'लज्जा% में आरती ने माधुरी दीक्षित और रेखा जैसी एक्ट्रेसेस के साथ स्क्रीन शेयर किया, लेकिन इसी फिल्म के सेट पर उनके साथ एक कभी न भुला पाने वाला किस्सा भी हुआ.

फिल्म लज्जा में आरती ने एक छोटा सा रोल किया था. फिल्म के एक सीन में रेखा ने आरती की पिटाई कर दी थी. लेकिन हैरानी की बात ये है कि आरती को ये बात पहले से पता ही नहीं थी. रेखा ने जब अचानक एक जोरदार तमाचा आरती को मारा था, तो वह हिल गईं और फूट-फूट कर रोने लगीं. करीब घंटे तक एक्ट्रेस फूट-फूट कर रोती रही थीं. आरती छाबड़िया ने खुद एक इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया था.

आरती ने अब बॉलीवुड से दूर हो चुकी हैं. साल 2007-2008 तक वह फिल्मों में सक्रिय रहीं लेकिन उसके बाद वह गायब हो गईं. हालांकि आरती सोशल मीडिया पर अक्सर एक्टिव रहती हैं और यहां अपनी तस्वीरें और वीडियोज फैंन के लिए शेयर करती रहती हैं. उन्हें इंस्टाग्राम पर 9 लाख से अधिक लोग फॉलो करते हैं.

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

राम मंदिर पर सियासत जारी उद्धव ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

मुंबई। शिव सेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे ने शनिवार को मांग की कि अयोध्या में राम मंदिर का अभिषेक समारोह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया जाए क्योंकि यह राष्ट्रीय गौरव और देश के स्वाभिमान का मामला है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मू को भी पत्र लिखकर 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में भगवान राम लला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन नासिक के कालाराम मंदिर में आरती में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। उद्धव ठाकरे ने पहले घोषणा की थी कि 22 जनवरी को वह अपनी पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ नासिक के ऐतिहासिक कालाराम मंदिर जाएंगे और गोदावरी नदी के तट पर महा आरती करेंगे। एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) भी नासिक में पार्टी पदाधिकारियों का एक सम्मेलन आयोजित करेगी, ठाकरे एक रैली को संबोधित करेंगे। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण उनके पिता बालासाहेब ठाकरे का भी सपना था।

बंगाल की सरकार भ्रष्टाचारियों की पनाहगर : अनुराग ठाकुर

कोलकाता। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर आज पश्चिम बंगाल प्रवास पर हैं। कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए श्री ठाकुर ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी और मीडिया के सवालों का भी जवाब दिया। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज ममता दीदी के राज में पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। जो पैसा जनता की भलाई के लिए आता है उसे लूटने का पूरा प्रबंध यहां है। भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई करने आई ईडी की टीम पर भी यहां पथराव और मारपीट कर उनका सर फोड़ने का काम किया जाता है। पश्चिम बंगाल की सरकार भ्रष्टाचारियों की पनाहगार है। क्या ममता बनर्जी ने अपने मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को लूट की खुली छूट दे रखी है या यह लोग इनकी सुनते नहीं हैं?

ईडी के नोटिस पर भाजपा का केजरीवाल पर हमला

नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चौथी बार पूछताछ के लिए बुलाया है। उन्हें 18 जनवरी को जांच एजेंसी के सामने गवाही देने के लिए बुलाया गया है। यह अरविंद केजरीवाल द्वारा 3 जनवरी को पूछताछ में चूक करने के बाद आया है। अरविंद केजरीवाल को मिले ईडी के चौथे नोटिस पर भाजपा हमलावर हो गई है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का ने कहा कि हर बार वह (दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल) जांच को छोड़ने की कोशिश करते हैं...आप जांच से भाग रहे हैं क्योंकि आप सवालों के जवाब देने से डरते हैं। बीजेपी नेता बांसुरी स्वराज को ईडी का समन यह शर्मनाक है कि सीएम अरविंद केजरीवाल जांच से भाग रहे हैं। अगर ईडी ने समन भेजा है तो किसी को भी जांच में शामिल होना चाहिए... अगर आप ईमानदार हैं तो आपको जांच में शामिल होना चाहिए... कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है।

मायावती को इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनाना चाहती है कांग्रेस!

नईदिल्ली। उत्तर प्रदेश में एक बड़े गठबंधन की कवायत कांग्रेस की ओर से शुरू की जा रही है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पहले ही इंडिया गठबंधन के हिस्सा है। लेकिन अब इसमें मायावती को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में इंडिया साझेदार के रूप में मायावती को भी गठबंधन में शामिल करना चाहती हैं। हालांकि कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौतियां है कि समाजवादी पार्टी और बसपा के बीच बातचीत पूरी तरीके से बंद है और दोनों ही पार्टियों के बीच एक बार फिर से मन मुटाव अपने चरम पर है। लेकिन कांग्रेस को उम्मीद है कि जब यह दोनों पार्टी अपनी पुरानी दुश्मनी को भुलाकर 2019 में एक साथ आ सकते हैं। तो इस बार भी उसे कामयाबी मिल सकती है। यही कारण है कि मायावती के जन्मदिन के मौके पर कांग्रेस के कई नेता उनसे मुलाकात कर सकते हैं। दावा किया जा रहा है कि पार्टी नेता इस दौरान कांग्रेस आलाकमान का संदेश मायावती को दे सकते हैं।

ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को आठवीं बार किया तलब

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक बार फिर तलब किया है। ईडी ने हेमंत सोरेन को पत्र भेजकर हाजिर होने के लिए नई डेड लाइन दे दी है। एजेंसी ने सीएम से पूछा है कि वह समन के बावजूद क्यों हाजिर नहीं हो रहे हैं। ईडी ने पत्र जारी कर रहा है कि हेमंत सोरेन 16 से 20 जनवरी के बीच एजेंसी के दफ्तर पहुंचकर अपना बयान दर्ज कराएं। कुल मिलाकर ईडी की ओर से झारखंड के सीएम को आठवीं बार कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया है। इससे पहले हेमंत सोरेन ईडी की ओर से सातवीं बार समन जारी करने के बावजूद बयाज दर्ज कराने नहीं पहुंचे थे। ईडी की ओर से जारी सातवें समन की आखिरी तारीख 31 दिसंबर थी। झारखंड सीएम हेमंत सोरेन अब तक कभी ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए हैं। उन्हें एजेंसी की ओर से पहला समन 14 अगस्त 2023 को भेजा गया था।

इंडिया गठबंधन की बैठक पर बोले एनसीपी प्रमुख

सीट शेयरिंग पर फैसला जल्द : शरद पवार

नईदिल्ली। शनिवार को इंडिया गठबंधन की वर्चुअल बैठक हुई। इस बैठक में 10 से ज्यादा राजनीतिक दलों के प्रमुख जुड़े। हालांकि इस बैठक से ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे जैसे चेहरे नदारत रहे। इन सबके बीच इस बैठक को लेकर शरद पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बैठक के बाद कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में इंडिया अलायंस की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि हमारी चर्चा हुई कि हम सब जल्द से जल्द सीट शेयरिंग पर फैसला लेंगे। कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि गठबंधन का नेतृत्व मल्लिकार्जुन खड़गे को करना चाहिए और सभी इस पर सहमत हुए। हमने आने वाले दिनों की योजना बनाने के लिए एक समिति भी बनाई।

पवार ने आगे बताया कि सभी ने सुझाव दिया कि नीतीश कुमार को संयोजक के रूप में जिम्मेदारी लेनी चाहिए, लेकिन उनकी राय यह है कि जो पहले से ही प्रभारी है, उसे बने रहना चाहिए। पीएम पद के चेहरे पर पर उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद, अगर हमें बहुमत मिलता है, तभी हम देश को बेहतर विकल्प दे पाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को विपक्षी इंडिया ब्लॉक का अध्यक्ष नामित किया गया है। प्रमुख भूमिका को लेकर गठबंधन दलों के बीच कई हफ्तों तक चली खींचतान के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी संयोजक का पद मिल गया। यह निर्णय शनिवार को शीर्ष भारतीय ब्लॉक नेताओं की आभासी बैठक में लिया गया।

वहीं, खड़गे ने कहा कि इंडिया समन्वय समिति के नेताओं ने आज ऑनलाइन मुलाकात की और गठबंधन पर सार्थक चर्चा की। हर कोई इस बात से खुश है कि सीट बंटवारे पर बातचीत सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है। हमने आने वाले दिनों में भारत पार्टियों द्वारा संयुक्त कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैंने राहुल गांधी के साथ सभी भारतीय दलों को अपनी सुविधानुसार %भारत जोड़ो न्याय यात्रा% में शामिल होने और इस अवसर का उपयोग सामाजिक, राजनीतिक उत्थान के लिए करने के लिए आमंत्रित किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को विपक्षी इंडिया ब्लॉक का अध्यक्ष बनाया गया है। गठबंधन दलों के बीच कई हफ्तों की खींचतान के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संयोजक का प्रमुख पद का ऑफर दिया गया है।

हालांकि, मामले से परिचित लोगों ने कहा कि नीतीश कुमार ने संयोजक का पद ठुकरा दिया है। यह निर्णय शनिवार को शीर्ष भारतीय ब्लॉक नेताओं की आभासी बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी, जो बैठक में मौजूद नहीं थे, को फैसले के बारे में सूचित किया जाएगा।

वहीं, संयोजक पद पर अंतिम फैसला ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के साथ चर्चा के बाद लिया जाएगा। 2024 के आम चुनाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा से मुकाबला करने के लिए गठित गठबंधन को संयोजक की विवादास्पद नियुक्ति सहित कई मुद्दों पर भीतर से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। जेडीयू नीतीश कुमार को संयोजक बनाना चाहती थी लेकिन टीएमसी इसका विरोध कर रही थी। शनिवार का विचार-विमर्श आभासी बैठक आयोजित करने का दूसरा ऐसा प्रयास था क्योंकि कुछ दिन पहले किया गया पिछला प्रयास सफल नहीं हो पाया था।

वोट बैंक की राजनीति के लिए विपक्ष देश को जातियों में बांट रहे : नड्डा

नईदिल्ली। दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में नमो नवमतदाता अभियान के लॉन्च कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि लगभग 61त्न भारतीय जनसंख्या 35 वर्ष से कम है। यह हमारी ताकत, ऊर्जा और हमारी संपत्ति है। यह विकसित भारत बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि आज के इस नवमतदाता कार्यक्रम में आप सभी युवाओं का जोश, उमंग और उत्साह देखकर हम सब भी उत्साहित होते हैं, और हमें लगता है कि जिस दिशा में हम लोग चल रहे हैं, वह दिशा आप सब के सहारे और आगे बढ़ेगी, और ताकतवर होगी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय राजनीति की संस्कृति को बदल दिया है, इसलिए विपक्ष को पता ही नहीं है कि क्या मुद्दा उठाएं। आज विपक्ष के पास मुद्दा ही नहीं बचा है। उन्होंने साफ तौर पर आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति के लिए ये लोग (विपक्ष) देश को जातियों में बांट रहे थे, इसलिए मोदी जी ने कहा कि मेरे लिए सिर्फ चार ही जातियां हैं- महिला, युवा, किसान और गरीब। अगर इन चार जातियों का विकास होगा, तो देश का विकास होगा। उन्होंने कहा कि मोदी जी का एजेंडा है- विकसित भारत, सशक्त युवा, महिलाओं का सशक्तिकरण, किसानों का उत्थान, नव उद्यमियों का विकास... जबकि इंडी अलायंस का एजेंडा है मोदी हटाओ, परिवार बचाओ और प्रॉपर्टी बचाओ। उन्होंने कहा कि पहले भारत की सड़कों पर चलना, बैलगाड़ी से चलने के बराबर होता था। आज हाईवे, बाईपास, रैपिड रेल रोड ट्रांसपोर्ट का विकास किया जा रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर की दृष्टि से आज भारत सशक्त रूप से खड़ा है। आप उन भाग्यशाली लोगों में से हैं, जिन्हें कनेक्टिविटी, इंस्टीट्यूट, विकास के माध्यम से विकसित भारत को आगे ले जाने का अवसर मिला है। नड्डा ने कहा कि कल हम लोगों ने अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया है। 12 जनवरी, स्वामी विवेकानंद जी की जन्म जयंती... और स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था- उठो जागो और रुको मत जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। ये वाक्य अनंतकाल तक प्रासंगिक रहेगा। उन्होंने कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि आप पीएम मोदी जी के नेतृत्व में भारत के परिवर्तन की इस शानदार यात्रा को देख रहे हैं।

कांग्रेस को राम नहीं, बाबर से प्यार : हिमंत बिस्वा सरमा

गांधी परिवार सबसे पहले बाबर को करेगा दंडवत प्रणाम

नईदिल्ली। कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर राजनीति जारी है। भाजपा जमकर कांग्रेस पर हमलावर है। इन सब के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने वार करते हुए कहा कि वे बाबर से प्यार करते हैं, भगवान राम से नहीं। इसलिए उन्हें आमंत्रित करने का निर्णय गलत था और केवल भगवान राम में आस्था रखने वालों को ही आमंत्रित किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भगवान राम और बाबर के बीच गांधी परिवार सबसे पहले बाबर को दंडवत प्रणाम करेगा।

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा और इंडिया ब्लॉक बैठक पर असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हमने (भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए) सभी आवश्यक अनुमतियां दे दी हैं, कोई समस्या नहीं है। हमें (भारत बैठक से) कोई दिक्कत नहीं है कि वे सीटों का बंटवारा करें या नहीं। हम चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए अपने नेताओं को मौसमी हिंदू करार दिया, क्योंकि पार्टी के शीर्ष नेताओं ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया था।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, ये लोग मौसमी हिंदू हैं, जब उन्हें लगता है कि उन्हें वोट लेना है तो वे नरम हिंदू बनने की कोशिश करते हैं। जवाहरलाल नेहरू के बाद से कांग्रेस में कोई भी अयोध्या नहीं गया है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि मामले को कोर्ट में लटकाने का काम कांग्रेस पार्टी ने ही किया था, इसलिए उनमें अयोध्या जाने का नैतिक बल नहीं है। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार या बीजेपी की ओर से निमंत्रण नहीं भेजा गया था। इसे राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भेजा था। निमंत्रण को अस्वीकार करने से यह फिर से साबित हो गया है कि वे भगवान राम के खिलाफ हैं। वे पहले ही भगवान राम को काल्पनिक पात्र बता चुके हैं।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भी 'तुष्टीकरण' कर रही है कांग्रेस : सीपी जोशी

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सी पी जोशी ने शनिवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने से कांग्रेस का इनकार करना दर्शाता है कि वह इसमें भी ''तुष्टीकरण'' देख रही है। जोशी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''आखिर कांग्रेस को भगवान राम के नाम से तकलीफ क्या है? यह वही कांग्रेस पार्टी है जिसने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा दिया था कि राम ''काल्पनिक'' हैं। यही कांग्रेस पार्टी है जिसने सनातन को डेंगू, मलेरिया एवं एड्स कहा।'' जोशी ने कहा कि कांग्रेस को इस कार्यक्रम में आना चाहिए जिससे ''उसके सारे पाप धुल जाएंगे।'' उन्होंने मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को भाजपा द्वारा राजनीति का आयोजन बनाए जाने संबंधी आरोपों को लेकर कहा, ''भगवान राम देश और दुनिया के करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा,''... ऐसे में इस कार्यक्रम का भी विरोध करना दर्शाता है कि आपको कहीं न कहीं यहां भी तुष्टीकरण दिख रहा है।''

खेल
प्रमुख समाचार

आईपीएल और विश्व कप से पहले सीरीज पर भारत की नजर

इंदौर। भारतीय क्रिकेट टीम तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। पहले टी20 मैच में अफगानिस्तान को हराया था। टीम इंडिया की नजर आईपीएल और आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले सीरीज पर है। 14 माह के बाद खेलने उतरे कप्तान रोहित शर्मा पहले मैच में खास नहीं कर सके और खाता खोले बिना आउट हुए।

दूसरे मैच में पूर्व कप्तान विराट कोहली की वापसी होगी। भारत रविवार (14 जनवरी, 2023) को इंदौर के होलकर स्टेडियम में तीन मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अफगानिस्तान से भिड़ेगा। 1-0 की बढ़त के साथ भारतीय टीम दूसरा गेम भी जीतकर सीरीज पक्की करने की कोशिश करेगी। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा।

दूसरी ओर अफगानिस्तान वापसी करके इस मैच को जीतकर सीरीज को निर्णायक मुकाबले तक ले जाना चाहेगा। विराट कोहली भारतीय टीम में वापसी करेंगे और संभवत: वह शीर्ष पर तिलक वर्मा की जगह लेंगे। फिट होने पर यशस्वी जयसवाल भी वापस आ सकते हैं और शीर्ष पर रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग कर सकते हैं, जैसा कि प्री-सीरीज़ प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल द्रविड़ ने संकेत दिया था।

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल/यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई/आवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार।

अफगानिस्तान- रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमत शाह, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, फजलहक फारूकी, नवीन-उल-हक, मुजीब उर रहमान।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/ प्रमुख समाचार

गेहूं, चावल के एक्सपोर्ट पर पांबदियां हटाने का प्रस्ताव नहीं

नईदिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि गेहूं, चावल और चीनी के निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाने का कोई भी प्रस्ताव फिलहाल सरकार के सामने नहीं है। गोयल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारत का गेहूं और चीनी के आयात का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, गेहूं, चावल और चीनी पर निर्यात प्रतिबंध हटाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। इसके साथ ही भारत गेहूं और चीनी का आयात नहीं करेगा। भारत ने घरेलू स्तर पर बढ़ती कीमतों पर काबू पाने के लिए मई, 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद जुलाई, 2023 से गैर-बासमती चावल के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा हुआ है। सरकार ने अक्टूबर, 2023 में चीनी के निर्यात पर भी रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया था।

मिग्सन ग्रुप ने दिल्ली में दुकान के लिए जगह डीमार्ट को 108 करोड़ रुपये में बेची

नईदिल्ली। जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनी मिग्सन ग्रुप ने राष्ट्रीय राजधानी में 47,000 वर्गफुट जगह डीमार्ट को 108 करोड़ रुपये में बेची है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि डीमार्ट ने दिल्ली में रोहिणी के सेक्टर 22 में जगह खरीदी है। खुदरा बाजार की प्रमुख श्रंखला डीमार्ट ने दुकान खोलने के लिए परियोजना के निचली और पहली मंजिल का अधिग्रहण किया है। बयान के अनुसार, खुदरा क्षेत्र का अधिग्रहण 108 करोड़ रुपये में किया गया है। मिग्सन समूह ने पिछले साल खुदरा बाजार परियोजना विकसित करने के लिए 265 करोड़ रुपये में नौ एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया था।

4 दिन में निवेशकों ने कमा लिए 6.88 लाख करोड़

नईदिल्ली। बाजार की चार दिनों की तेजी में निवेशकों की संपत्ति 6.88 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। शुक्रवार को सेंसेक्स 72,720.96 के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 373.29 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड शिखर पर पहुंच गया है। शुक्रवार को लगातार चौथे दिन तेजी के साथ आईटी शेयरों में तेज उछाल के कारण बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 847.27 अंक यानी 1.18 प्रतिशत बढ़कर 72,568.45 के नए उच्च स्तर पर बंद हुआ। चार दिनों में बीएसई बेंचमार्क 1,213.23 अंक यानी 1.70 फीसदी उछल गया है। इस दौरान निवेशकों की संपत्ति 6,88,711.19 करोड़ रुपये बढ़कर रिकॉर्ड 3,73,29,676.27 करोड़ रुपये पहुंच गई।

तमिलनाडु में 535 करोड़ रुपये का निवेश करेगी जीएचसीएल टेक्सटाइल्स

चेन्नई। धागा बनाने वाली कंपनी जीएचसीएल टेक्सटाइल्स लिमिटेड ने तमिलनाडु में क्षमता विस्तार पर 535 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जीएचसीएल ने हाल ही में तमिलनाडु सरकार के वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएम) में राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कंपनी ने बयान में कहा कि इस एमओयू में क्षमता विस्तार के साथ नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र भी शामिल है। इससे कंपनी का कुल निवेश 1,035 करोड़ रुपये हो जाएगा। जीएचसीएल टेक्सटाइल्स के निदेशक आर एस जालान ने कहा, तमिलनाडु और भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना हमारे लिए सम्मान की बात है।

बनी रहेगी अर्थव्यवस्था में वृद्धि

अभिजीत मुखोपाध्याय

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अपने पहले अग्रिम आकलन में बताया है कि वर्तमान वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक) में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहेगी। पिछले साल यह आंकड़ा 7.2 प्रतिशत रहा था। इस अनुमान से इंगित होता है कि वृद्धि की उत्साहजनक गति बनी रहेगी। इस वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर 2023) में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि कर कई लोगों को अचरज में डाल दिया है। लागत खर्च में कमी तथा कॉर्पोरेट मुनाफे में बढ़ोतरी के साथ ऐसी वृद्धि अगले कुछ तिमाहियों तक बनी रहेगी। उल्लेखनीय है कि सरकार ने इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में बजट में अनुमानित राजस्व के आधे से अधिक हिस्से को हासिल कर लिया है। साथ ही, अनुमानित खर्च को भी आधे से कम के स्तर पर रखा गया है। इससे केंद्र को 5.9 फीसदी के अपने कुल वित्तीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस स्थिति से सरकार को अपने पूंजी व्यय में भी बढ़ोतरी करने में सहायता मिलेगी। कर संग्रहण में वृद्धि और नियंत्रित घाटे से भी अर्थव्यवस्था की मजबूती के ठोस संकेत मिलते हैं।

वार्षिक वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का मतलब है कि इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में रफ्तार कुछ कम होगी, जिसका अंदेशा पहले से ही लगाया जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पहले यह अनुमान लगाया था कि वृद्धि दर सात प्रतिशत रह सकती है, लेकिन एनएसओ का अनुमान उससे अधिक है। अनेक एजेंसियों और संस्थाओं ने इसके 6 ।5 प्रतिशत के आसपास रहने की बात कही थी।

चूंकि यह पहला अग्रिम अनुमान है, तो बात के अनुमान और संशोधित आकलनों में यह आंकड़ा बदल भी सकता है। बहरहाल, इस अनुमान के ठोस आधार हैं। जैसा कि ऊपर रेखांकित किया गया है कि पहली छमाही में विकास दर 7.7 प्रतिशत रही है। इससे दूसरी छमाही को एक बड़ा आधार मिला है। यह महत्वपूर्ण है कि जीडीपी में उपभोग का हिस्सा लगभग 57 प्रतिशत है, जो बहुत सकारात्मक है। पिछले दो वर्षों से निवेश यानी पूंजी निर्माण में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। जीडीपी में इसका भाग लगभग 35 प्रतिशत है। देश में कंस्ट्रक्शन गतिविधियों का विस्तार भी जीडीपी को आधार दे रहा है। इस कारण सीमेंट, लोहा, इस्पात आदि मूलभूत वस्तुओं की मांग में अच्छी बढ़त हुई है। महामारी के दौरान कंस्ट्रक्शन और खनन गतिविधियां ठप पड़ गयी थीं और उसके बाद अर्थव्यवस्था को भी पटरी पर आने में कुछ समय लगा था। लेकिन अब इन दोनों क्षेत्रों में बढ़ोतरी हो रही है। मैनुफैक्चरिंग सेक्टर एक और बड़ा आधार बना है।

यह उत्साहजनक है कि कुल निवेश बढ़ा है, लेकिन यह हर क्षेत्र में एक समान नहीं है। अगर अगली कुछ तिमाहियों तक वृद्धि दर अपेक्षित स्तर पर बनी रहती है, और इसकी ठोस संभावना भी है, तो असमान निवेश की बाधा भी कम हो जायेगी। सेवा क्षेत्र में भी कुछ सुधार है। आने वाले समय में इसमें और बेहतरी की उम्मीद की जा सकती है। कृषि क्षेत्र को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। पिछले वित्त वर्ष में कृषि क्षेत्र में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, पर अभी यह आंकड़ा 1.8 प्रतिशत पर आ गया है। अन्य क्षेत्रों के विस्तार से इस कमी को पाटने में मदद मिल रही है। कृषि में गिरावट की आशंका पहले से ही थी। मौसम के मिजाज में बदलाव से खेती पर असर पड़ रहा है। चावल और गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगाने का प्रमुख कारण यही है कि देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके तथा मुफ्त राशन योजना जैसी पहलों के लिए भी अनाज की उपलब्धता बनी रहे। इसी से जुड़ा मसला मुद्रास्फीति का भी है, जिसके बारे में रिजर्व बैंक ने भी आगाह किया है।

सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर और विभिन्न क्षेत्रों में जो लगातार पूंजी खर्च किया है, उससे भी जीडीपी को मजबूती मिली है। इस कारण निजी क्षेत्र के निवेश को भी आकर्षित करने में मदद मिल रही है, लेकिन इस खर्च में कमी के संकेत हैं।

कही-सुनी

रवि भोई

कब होगा छत्तीसगढ़ पुलिस में फेरबदल?

विष्णुदेव साय सरकार ने तीन जनवरी को आईएएस अफसरों के तबादले किए, उसके बाद उम्मीद की जा रही थी कि आईपीएस अफसरों में हेरफेर होंगे। चर्चा थी कि डीजीपी समेत पुलिस मुख्यालय और जिलों में बदलाव होगा। लेकिन इंतजार लंबा हो गया। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से छत्तीसगढ़ वापस लौटे 1998 बैच के आईपीएस अमित कुमार एक महीने से बिना काम के पुलिस मुख्यालय में तैनात हैं। उन्हें पोस्टिंग का इंतजार है। रायपुर, महासमुंद और जगदलपुर जिला प्रभारी एसपी के भरोसे चल रहा है। डीजीपी की दौड़ में शामिल एडीजी अरुण देव गौतम और पवन देव की पदोन्नति भी अटकी है। पिछले साल अक्टूबर महीने में डीपीसी होनी थी,लेकिन किसी कारण से हुई नहीं। डीएम अवस्थी और संजय पिल्लै के रिटायरमेंट के बाद राज्य में डीजी के दो पद रिक्त हैं। भूपेश बघेल की सरकार ने पुलिस मुख्यालय में ओएसडी के दो पद सृजित कर डीएम अवस्थी और संजय पिल्लै को संविदा नियुक्ति दे दी। संविदा में कार्यरत डीएम अवस्थी को ईओडब्ल्यू के डीजी और संजय पिल्लै को डीजी जेल का प्रभार दे दिया। दोनों अभी कार्यरत हैं। कहा जा रहा है कि डीजीपी की पोस्टिंग के बाद ही पुलिस में हेरफेर होगा। इस कारण लोगों की ज्यादा निगाहें नए डीजीपी पर है। विधानसभा चुनाव में कानून-व्यवस्था एक मुद्दा था। राज्य में अमन-चैन नई सरकार की प्राथमिकता में है। नक्सल हिंसा पर काबू भी बड़ी चुनौती है। शांति और नक्सलियों पर नकेल के लिए सरकार को पुलिस के पत्ते फेटने होंगे। इसी में देरी हो रही है। कहा जा रहा है कि अब पुलिस में बड़ा फेरबदल 26 जनवरी के बाद ही संभव होगा। 22 जनवरी को आयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन होना है। दोनों ही आयोजनों में उत्सव का माहौल रहने वाला है, ऐसे में पुलिस की महती भूमिका रहने वाली है।

भाजपा नेता के ख्वाब

कहते हैं मीडिया से जुड़े एक भाजपा नेता सीएसआईडीसी के अध्यक्ष बनने के जुगाड़-तुगाड़ में लगे हैं। चर्चा है कि ये नेता पहले मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार बनने की कोशिश में लगे थे। इस पद के लिए मनाही होने के बाद सीएसआईडीसी के अध्यक्ष पद पर नजर दौड़ाई। खबर है कि नेताजी के पक्ष में सोशल मीडिया में पोस्ट भी वायरल हो रहा है। अब देखते हैं नेताजी के सपने कब पूरे होते हैं। बताते हैं कांग्रेस राज में नेताजी ने वन विभाग के भ्रष्टाचार को मुद्दे बनने से रोक दिया था। इस कारण भाजपा में ही नेताजी को लेकर अंतर्द्वंद्व चल रहा है।

समय-समय की बात

भूपेश बघेल के राज में सबसे पावरफुल रहे एक अफसर को अब मंत्रालय में कमरे के लाले पड़ गए हैं, उन्हें मंत्रालय में मनपसंद कक्ष नहीं मिल पाया। कहते हैं अधिकारी महोदय ने मंत्रालय के चतुर्थ तल में कमरा देने का आग्रह किया था। अफसर ने जो कमरा मांगा था, वह पहले भी उनके स्तर के आईएएस को मिलता रहा है। लेकिन उनकी मांग पूरी नहीं हुई और उन्हें ग्राउंड फ्लोर का वही कमरा अलाट कर दिया गया, जिसमें वे पहले कभी बैठा करते थे। इसे कहते हैं समय-समय की बात। भूपेश बघेल के शासनकाल में इस अफसर से मिलने के लिए लोगों की लाइन लगी रहती थी। अब उनका ताज और तख्त दोनों चला गया।

रंग नहीं ला रही मेहनत

कहते हैं डीजीपी की दौड़ में शामिल एक आईपीएस नए ओहदे के लिए खूब मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मेहनत नतीजे में बदल ही नहीं पा रही है। चर्चा है कि पुलिस अफसर साहब डीजीपी की कुर्सी के लिए आरएसएस के नीचे से ऊपर तक के पदाधिकारियों के दरबार में मत्था टेक आए हैं। पिछले दिनों वे दिल्ली जाकर संघ के दूसरे-तीसरे नंबर के पदाधिकारी से मिले भी। रायपुर से दिल्ली तक उनकी दौड़ के बाद भी अब तक नतीजा सिफर है। अब देखते हैं उनकी मेहनत कब रंग लाती है। कहा जा रहा है इस आईपीएस के लिए एक-एक दिन कीमती है।

टंकराम वर्मा ने मांगा दूसरा बंगला

कहते हैं राजस्व और खेलकूद मंत्री टंकराम वर्मा ने निवास के लिए दूसरा बंगला मांगा है। मंत्री टंकराम वर्मा को शंकरनगर स्थित बी-5/10 नंबर का सरकारी बंगला आबंटित किया गया है। कांग्रेस राज में यह बंगला मोहम्मद अकबर को अलाट था। इस बंगले के दो हिस्से हैं। एक निवास और दूसरा आफिस। बंगले का आफिस वाला हिस्सा को तो ठीक बताया जा रहा है, लेकिन निवास वाले हिस्से से मंत्री जी खुश नहीं हैं। बताते हैं निवास वाला हिस्सा काफी जर्जर हो चुका है। ऐसे में मंत्री जी ने अपने निवास के लिए शंकरनगर में ही एक नया बंगला मांगा है। मंत्री जी के साथ जनता को भी नए बंगले का इंतजार है।

पुन्नूलाल होंगे विधानसभा उपाध्यक्ष ?

कहा जा रहा है कि मुंगेली के विधायक और पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहले विधानसभा उपाध्यक्ष हो सकते हैं। विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव फ़रवरी-मार्च में आहूत बजट सत्र में हो जाएगा। पुन्नूलाल मोहले सातवीं बार विधायक चुने गए हैं। माना जा रहा है कि जातीय समीकरण के चलते पुन्नूलाल को उपाध्यक्ष की कुर्सी मिल सकती है। पुन्नूलाल अनुसूचित जाति वर्ग से हैं। अजा वर्ग से अभी दयालदास बघेल कैबिनेट मंत्री हैं। रमन सरकार में अजा वर्ग से दो मंत्री थे, उसी आधार पर भाजपा सरकार में अजा वर्ग से दो लोगों का प्रतिनिधित्व हो जाएगा।

अजय, अमर और मूणत को नई जिम्मेदारी

भाजपा हाईकमान ने 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत के लिए सभी 543 सीटों को अलग-अलग क्लस्टर में बांटकर नेताओं को जिम्मेदारी दी है। कहते हैं छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों को तीन क्लस्टर में बांटा गया है। एक-एक क्लस्टर की जिम्मेदारी अजय चंद्राकर, अमर अग्रवाल और राजेश मूणत को सौंपी गई है। तीनों पूर्व मंत्री वर्तमान में विधायक हैं। चर्चा थी कि अजय चंद्राकर और अमर अग्रवाल को लोकसभा लड़ाया जा सकता है, लेकिन नई जिम्मेदारी से चर्चा पर विराम लग गया है।

एक्शन में बृजमोहन

शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल इन दिनों काफी एक्शन में नजर आ रहे हैं। अयोध्या में राममंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी को स्कूल - कालेजों में छुट्टी के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा और उस पर इम्प्लीमेंट हो गया। 12 जनवरी को युवा दिवस के दिन बूढ़ातालाब की तरफ से दानी गर्ल्स स्कूल के प्रवेश द्वार को जाकर खुद ही खोल दिया। मोदी गारंटी के तहत छत्तीसगढ़ के लोगों को रामलला के दर्शन के फैसले को लागू करने में भी वे तेज दौड़ते दिख रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में हार से हम आपस में नजर नहीं मिला पा रहे : महंत

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में सचिन पायलट ने बंधाया ढांढस

रायपुर। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हाल ही में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश के नव-नियुक्त प्रभारी सचिन पायलट शामिल हुए। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वे विधानसभा चुनाव में मिली हार से काफी दुखी नजर आ रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत कहते हुए नजर आ रहे हैं कि हमे विधानसभा चुनाव में मिली हार का विश्वास नहीं हो रहा हैं। हम सभी हार से दुखी है, एक दूसरे से मुंह छिपा रहे हैं। नजर से नजर नहीं मिला पा रहे हैं। उन्होंने आगे कह कि ये सबकी हालत है और हम सब लोग दुखी हुए है।

चरणदास मंहत के छलकते दर्द को देखते हुए सचिन पायलट ने कहा कि महंत जी जो कह रहे थे वो बिल्कुल सत्य है। मुझे खरगे जी ने एक जिम्मेदारी दी है कि आपके साथ मिलकर काम करने की। पर एक ऐसे समय जब हाल ही में आए विधानसभा चुनाव के परिणाम बड़े ही आश्चर्य जनक थे और उम्मीद से परे हम एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव नहीं जीत पाए। पायलट ने आगे कहा कि चुनाव और उसमें हार जीत सिक्के के दो पहलू है।

लोकसभा चुनाव लड़ सकते है अमरजीत भगत

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत का बड़ा बयान सामने आया है। शनिवार को मीडिया से चर्चा में उन्होने कहा कि लोकसभा चुनाव की टिकट वे खुद नहीं मांगेगे। अगर पार्टी चुनाव लड़ने बोलेगी तो इस पर हम विचार करेंगे।

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने यह भी कहा कि नक्सलवाद को लेकर जितनी भी सरकारें रही सभी ने शांति की अपील की। हमारी सरकार ने भी शांति को लेकर बातचीत की कोशिश की शांति होनी भी चाहिए, लेकिन कथनी और करनी में अंतर नहीं आना चाहिए।

ननि टीम इलेवन ने चेंबर खेल समिति को फ्रेंडली मैच में हराया

रायपुर। स्व. विजय होतावानी जी की स्मृति में छत्तीसगढ़ चेंबर एवं कैट सीजी चेप्टर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित चेंबर प्रीमियर लीग टूर्नामेंट के पांचवे नॉकआउट राउंड में छत्तीसगढ़ फेडरेशन एंड इंडस्ट्रीज पहुंची क्वार्टर फ़ाइनल में चेंबर प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवे दिन छत्तीसगढ़ फेडरेशन एंड इंडस्ट्रीज ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई। छत्तीसगढ़ चैंबर कार्यकारी अध्यक्ष श्री मनमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में मैच खेला गया एवं चेंबर उपाध्यक्ष जय नान्वानी जी की मैरिज एनीवर्सरी भी सेलिब्रेट की गई। प्रतिभागी टीमों के खेल के बाद ग्राउंड में नगर निगम अपर आयुक्त माननीय श्री विनोद पाण्डेय जी की कप्तानी में नगर निगम टीम इलेवन और क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन समिति के बिच फ्रेंडली मैच खेला गया जिसमे नगर निगम टीम इलेवन ने आयोजन समिति की टीम को हराया।

मुख्य सचिव ने वर्चुअल बैठक में आयोजन के संबंध में दिए निर्देश

प्राण प्रतिष्ठा दिवस 22 जनवरी को पूरा प्रदेश राममय बनाने कलेक्टरों को निर्देश

रायपुर। अयोध्या में आयोजित किये जा रहे 'श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा रामोत्सव' के अवसर पर पूरे छत्तीसगढ़ में 22 जनवरी को भव्य रूप से भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। प्रत्येक जिला मुख्यालय और विकासखण्ड के कम से कम एक प्रतिष्ठित मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे, इसके साथ ही राम वनगमन पथ के स्थलों पर भी विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे।

मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने शनिवार को चिप्स के सभाकक्ष में आयोजित वर्चुअल बैठक में सभी कलेक्टरों को आयोजन की रूप रेखा के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। संस्कृति विभाग के सचिव अन्बलगन पी. ने बैठक में बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन जनमानस तथा मानस मंडलियों, स्थानीय नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों, निजी संस्थानों, धार्मिक ट्रस्ट और मंदिर समितियों की भागीदारी से किए जाएं। इन संस्थानों के साथ समन्वय और सहयोग से भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

प्रत्येक विकासखण्ड स्तर में कम से कम एक प्रतिष्ठित मंदिर में 22 जनवरी को दीप प्रज्जवलन, दीपदान एवं लाईटिंग की व्यवस्था की जाए। मंदिर प्रांगण में क्षेत्र की 5 मानस मंडलियों के मानस गायन का कार्यक्रम आयोजित किया जाए। ऐसे कार्यक्रम प्रत्येक जिला मुख्यालय में कम से कम एक प्रतिष्ठित मंदिर में आयोजित किये जाएं। बैठक में राज्यभर के संभागायुक्त और कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

आयोजन में मानस मंडलियों को जोड़ा जाएगा। राज्य के प्रत्येक जिलों में संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा के साथ पंजीकृत क्रियाशील लगभग 4700 मानस मंडलियां हैं ।

राज्य शासन के घोषणा अनुरूप इन सभी मानस मंडलियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रत्येक मंडली को पांच हजार राशि प्रदाय करने का निर्णय लिया गया है। उक्त निर्णय अनुरूप जिलेवार मानस मंडलियों की सूची एवं धनराशि का आबंटन संचालनालय, संस्कृति एवं राजभाषा द्वारा सीधे प्रत्येक कलेक्टरों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

आईटीबीपी ने 30 युवाओं को भारत भ्रमण के लिए किया हरियाणा रवाना

कोंडागांव। नक्सल प्रभावित क्षेत्र से युवाओं को 15वें आदिवासी युवा विनिमय कार्यक्रम के तहत 29वीं वाहिनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल ने 30 युवाओं (जिसमें 20 युवक एवं 10 युवती) को बस के माध्यम से दुर्ग प्रस्थान करवाया गया जहां से भारत भ्रमण के लिए गुरुग्राम-हरियाणा रवाना किया जायेगा। 29वीं वाहिनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल, कोण्डागांव द्वारा बच्चों को अवगत कराया गया कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल इस क्षेत्र में आप सभी युवाओं एवं आम जनता की सुरक्षा के लिए तैनात है एवं स्थानीय युवाओं को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए समय-समय पर खेलकूद एवं अन्य कार्यकम का आयोजन करती रहती है।

नेता प्रतिपक्ष महंत के बयान पर मंत्री नेताम ने कसा तंज

रायपुर। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के मुंह नहीं दिखाने वाले बयान पर मंत्री नेताम ने कहा कि लोकसभा में तो यही लोग अपनी फोटो छपवाएंगे, क्योंकि इनके पास कुछ बचा नहीं है. चाहे कुछ भी कर ले हम भारतीय जनता पार्टी यहां पर 11 की 11 सीट जीतने की स्थिति में है. राजधानी के गांधी उद्यान में लगाई गई तीन दिवसीय प्रदर्शनी का अवलोकन करने कृषि मंत्री रामविचार नेताम पहुंचे थे. इस दौरान मीडिया से बातचीत में नेताम ने कहा कि यह बात सही है कि (हार का) जो दर्द दिया है. उनके पास कोई दवा बचाने की नहीं है. अब इसलिए दर्द कहां बयान करेंगे.

साय सरकार के गठन को पूरे हुए एक महीने

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार के गठन को एक महीने पूरे हो गए हैं. इसे लेगर मुख्यमंत्री साय ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया है. उन्होंने अपनी सरकार के एक महीने के कार्यकाल को लेकर उपलब्धियां बताई है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर अपने एक महीने के काम को संतुष्टिदायक बताया है. उन्होंने लिखा है कि सुशासन का एक महीना किसानों की संतुष्टि और उनका अभ्युदय ही हमारी प्राथमिकता है. सुशासन दिवस के अवसर पर मोदी की गारंटी का वादा निभाते हुए हमने छत्तीसगढ़ के किसानों के 2 साल का बकाया धान का बोनस दिया. इससे किसानों के चेहरों पर मुस्कान आई है, यह हमारे लिए भी संतुष्टिदायक है.

3000 क्विंटल चावल और 100 टन सब्जी प्रदेश का अयोध्या में

रायपुर। अयोध्या में नवनिर्मित भव्य श्रीराम मंदिर में प्रभु श्रीरामलला विराजमान होने जा रहे हैं। 22 जनवरी का पूरे देश को इंतजार है। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अपनी सेवाएं देने के लिए प्रभु श्रीराम का ननिहाल भी उत्साहित है। छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए राम उनके भांचा हैं। इसीलिए अपने भांचा राम के लिए छत्तीसगढ़ का प्यार इस खास मौके पर उमड़-घुमड़ रहा है। इसी कड़ी में भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से अयोध्या के लिए तीन हजार क्विंटल चावल भेजा गया है। कहा जा रहा है कि राम लला को पहला भोग इसी चावल से लगेगा। छत्तीसगढ़ से भेजे गए सुगंधित चावल का इस्तेमाल भगवान श्रीराम के महाभंडारे में भी होगा। सभी 33 जिलों से चावल एकत्र करने के बाद राज्य के राइसमिलर्स एसोसिएशन की तरफ से यह चावल भेजा गया है। गौरतलब है कि अयोध्या राम मंदिर समिति के पदाधिकारी चंपत राय ने छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स को पत्र लिखकर चावल भेजने का अनुरोध किया था।

उपार्जन केंद्रों से धान के उठाव में तेजी लाने के निर्देश

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर अब तक की गई धान खरीदी की प्रगति की जानकारी के लिए मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के समस्त संभाग आयुक्त और कलेक्टर की बैठक ली। उन्होंने धान उपार्जन केंद्रों से ही मिलर्स द्वारा धान के उठाव में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होने किसानों की सुविधा और संतुष्टि का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए हैं। धान खरीदी और कस्टम मिलिंग को लेकर मुख्य सचिव ने कहा कि खरीदी प्रक्रिया के साथ ही धान के उठाव की प्रक्रिया में भी तेजी लाना सुनिश्चित किया जाए। दूसरे राज्यों की सीमा से लगे हुए जिलों में अवैध धान के आवक पर कड़ी निगरानी रखी जाए। साथ ही कोचियों-बिचौलियों के माध्यम से भी धान के अवैध उपार्जन के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही प्रत्येक खरीदी केंद्र का भौतिक सत्यापन भी किया जाए। धान खरीदी प्रक्रिया के समाप्ति के दिन तक प्रत्येक केंद्र का दो बार अनिवार्य रूप से भौतिक सत्यापन

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री प्रियदर्शनी उत्कृष्ट शासकीय विद्यालय तिल्दा के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में हुए शामिल

जीवन मे सफलता के लिए पूरी लगन के साथ अध्ययन करें

प्रार्थना शेड और खेल सामग्री के लिए 25 हजार रुपए की घोषणा

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंक राम वर्माखेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंक राम वर्माखेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंक राम वर्मा

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंक राम वर्मा आज रायपुर जिले के तिल्दा के प्रियदर्शनी उत्कृष्ट शासकीय विद्यालय के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि युवा राष्ट्र की शक्ति है। विद्यार्थियों को जीवन में सफलता के लिए लगन और ईमानदारी से मेहनत करना जरूरी है। उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल और मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेना चाहिए ताकि उनके व्यक्तित्व का पूर्ण विकास हो सके।

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने अयोध्या में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन 22 जनवरी को सभी गांव और शहरों में दीपोत्सव मनाने की अपील की। इस मौके पर उन्होंने शाला परिसर में प्रार्थना शेड बनाने और 25 हज़ार रुपए खेल सामग्री के लिए अनुदान राशि दिए जाने की घोषणा की। वे सांकरा में आयोजित भागवत कथा और तुलसी में शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ में शामिल हुए।

छग सिविल जज 2022 टॉप 10 में से 7 चाणक्य लॉ एकेडमी से

रायपुर। छग लोक सेवा आयोग सीजी पीएसई द्वारा आयोजित व्हवहार न्यायाधीश 2022 की अतिम चयन सूची दिनांक 11 जनवरी 2024 को जारी की गई है। छ.ग. का हृदय स्थल, रायपुर से चाणक्य लॉ एकेडमी के 27 विद्यार्थीयों ने सफलता प्राप्त की है जिसमें प्रावीण्य सूची के 10 विद्यार्थीयों में 7 विद्यार्थी चाणक्य लॉ एकेडमी ने दी है। चाणक्य लॉ एकेडमी के मेण्टर नितिन नामदेव ने बताया की वर्ष 2022 में 48 पदों के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसमें 152 अभ्यार्थियों ने साक्षातकार दिया था, और 48 पदों की चयन सूची में उनकी संस्थान से प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली ईशानी अवधिया, तीसरे स्थान पर मानसी बीस्ट, चौथे स्थान पर मुस्कान शर्मा,

छठवें स्थान पर हीमाशी शर्राफ, आठवें स्थान पर रिद्धि बुरड, नौवे स्थान पर श्रुति साहू, दसवें स्थान पर रिया चक्रवर्ती, ग्यारहवें स्थान पर संतोष कुमार यादव, तेरहवें स्थान पर ओम चौहान, चौदहवें स्थान पर प्रणव वैद्य, सत्रहवें स्थान पर पूनीत समीक्षा अठारवे स्थान पर सिद्धार्थ देवांगन, बीसवें स्थान पर वैशाली बघेल, बाइसवें स्थान पर हीरा सिन्हा, तेइसवे स्थान पर लव कुमार लहरे, चौबीसवें स्थान पर चालुक्य यादव, छब्बीसवे स्थान पर सुनीता नेताम, सत्ताइसवें स्थान पर माला यादव, इकत्तीसवे स्थान पर श्रद्धा भगत बत्तीसवे स्थान पर एंजल वेभीको टिग्गा, तैतीसवे स्थान पर प्रगति गुर्दे, सैतीसंवे स्थान पर रूचिका माहेश्वरी, उन्तालिसवे स्थान पर सुहासिनी ठाकुर, चौवालिसवें स्थान पर गीतांजली कश्यप, पैतालिसवें स्थान पर वर्षा गुर्दे, तथा अड़तालिसवे स्थान पर प्रीति पालीवाल रही।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.